कार्तिक कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 103 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

16 अक्टूबर 2025 गुरुवार

आज का मौसम

29 अधिकतम

16 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पिघल सकती है टैरिफ वॉर पर रिश्तों की बर्फ

ट्रम्प का दावा रूस से तेल नहीं खरीदेगा भारत

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे दोस्त हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत के रूस से तेल खरीदने से मुझे खुशी नहीं थी लेकिन आज उन्होंने (पीएम मोदी) मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय ने ट्रम्प के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया में सिर्फ इतना कहा है कि हमारे लिए भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा प्राथमिकता है।

दरअसल, अमेरिका अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने की वजह से 25 फ़ीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगा चुका है। इससे पहले उसने 25 फीसदी रेसीप्रोकल यानी जैसे को तैसा टैरिफ लगाया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 हो गया है। ट्रम्प ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए यह भी कहा कि हाल में भारत में अमेरिकी राजदूत बनने जा रहे सर्जियो गोर और पीएम मोदी की मुलाकात हुई थी। इस मीटिंग के बाद सर्जियो ने मुझे बताया कि वे (मोदी) ट्रम्प से प्यार करते हैं, हालांकि मैं चाहूंगा कि यहां प्यार शब्द का गलत मतलब न निकालें, मैं किसी का पॉलिटिकल करियर खराब नहीं करना चाहता। मैंने सालों से भारत को देखा है, वहां हर साल सरकार बदल जाती है। मेरे दोस्त मोदी लंबे समय से वहां पर हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि वे इसे तुरंत रोक नहीं सकते, लेकिन इसका एक प्रोसेस है।

विदेश मंत्रालय ने कहा - हमारे लिए भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा प्राथमिकता

रूस पर दबाव के लिए प्रतिबन्ध

अमेरिका ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। ट्रम्प कई बार यह दावा कर चुके हैं कि, भारत के तेल खरीद से मिलने वाले पैसे से रूस, यूक्रेन में जंग को बढ़ावा देता है। ट्रम्प प्रशासन रूस से तेल लेने पर भारत के खिलाफ की गई आर्थिक कार्रवाई को पैनल्टी या टैरिफ बताता रहा है। रेसीप्रोकल टैरिफ 7 अगस्त से और पेनल्टी 27 अगस्त से लागू हुआ। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव केरोलिना लेविट के मुताबिक इसका मकसद रूस पर सेकेंडरी प्रेशर डालना है, ताकि वह युद्ध खत्म करने पर मजबूर हो सके।

34 फीसदी खरीदी रूस से

ट्रम्प के दबाव के बावजूद रूस भारत का सबसे बड़ा तेल स्रोत बना हुआ है। कमोडिटी और शिपिंग ट्रैकर क्लेप्लर के आंकड़ों के मुताबिक सितंबर में ही नई दिल्ली ने आने वाले शिपमेंट का 34 फीसदी हिस्सा लिया। हालांकि, 2025 के पहले आठ महीनों में आयात में 10 फीसदी की गिरावट आई थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक यह कटौती अमेरिकी दबाव और सप्लाई में विभिन्नता लाने के लिए की गई है। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी निजी रिफाइनरी कंपनियों ने इसकी खरीद बढ़ा दी है। रूस अभी भी भारत को दूसरे देशों की तुलना में सस्ता तेल दे रहा है।

इधर... राहुल बोले - ट्रम्प से डर गए मोदी

ट्रम्प के दावे के बाद एक बार फिर विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हमलावर होने का मौका मिल गया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी ट्रम्प से डर गए हैं। वे ट्रम्प को निर्णय लेने और घोषणा करने का हक देते हैं कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। बार -बार की अनदेखी के बावजूद बधाई सन्देश भेजते रहते हैं। वहीं कांग्रेस ने कहा कि केवल आपसी दोस्ती को बेहतर बनाने के लिए देश के रिश्तों को नुकसान न पहुंचाएं। नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश की गरिमा से समझौता किया है। ट्रम्प के अनुसार, उनके गुस्से और धमकियों के आगे झुकते हुए मोदी ने आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा।

सेवाभावी संगठनों की चर्चा के बीच क्यों आ गए अडाणी-सोरस?

मैं ने खबरिया चैनलों के सिरमौर यानि आजतक के 'साहित्य आज तक' के मंच से हुई बहस के भटकाव और संघ के बजाए इसमें ओद्योगिक घरानों की एंट्री को लेकर सवाल उठाए थे। लेकिन बहस के दौरान देशी मल्टीनेशनल कंपनी के नाम पर हमले की जद में सिर्फ गौतम अडाणी ही क्यों बचे? राहुल गांधी भी अब अंबानी का नाम कम या कभी कभार ही लेते हैं, लेकिन अडाणी पर उनके हमले का जोर ज्यादा तेज हो चला है। मेरे मन में सवाल यह उठता है कि उद्योग समूह तो कांग्रेस राज में भी पनपे और फले फूले लेकिन किसी भी विपक्षी दल ने उन्हें सियासत का मोहरा नहीं बनाया तो फिर राहुल गांधी के हाथ में प्रत्यक्ष या परोक्ष कमान

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

संघ के सौ साल पर बहस - पार्ट 2

आने के बाद देशी मल्टीनेशनल कंपनियों पर हमले क्यों तेज हो गए? मुकेश अंबानी की तरफ से हटकर उनकी तोप की नली गौतम अडाणी पर ही क्यों ठहरकर रह गई।

याद कीजिए राहुल गांधी ने भारतीय मल्टीनेशल पर हमले की शुरूआत मुकेश अंबानी के छोटे भाई यानि अनिल अंबानी से की थी। राफेल के मामले को लेकर उन्होंने चौकीदार चोर के नारे गढ़े थे। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में अनिल अंबानी को छोटा मोटा काम मिलने पर उन्होंने जमकर बवाल मचाया। दलील दी कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड जैसे भारत सरकार के उपक्रम के होते हुए अनिल अंबानी की नौसिखिया कंपनी को मौके क्यों दिए जा रहे हैं? मौजूदा दौर की बात करें तो अनिल अंबानी का वजूद कितना बचा है किसी से छुपा नहीं है। निजी क्षेत्र में रक्षा उत्पादन के साथ ही जिस सरकारी हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (हेल) की अनदेखी की बात राहुल करते थे, आज वह कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। निजी क्षेत्र में अनिल अंबानी भले ही दूसरी वजहों से देशी मल्टीनेशल की तरक्की की दौड़ में काफी पीछे छूट गए लेकिन रक्षा क्षेत्र में कई निजी कंपनी भी हेल के साथ सफलता के शिखर को चूमने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहीं हैं। लेकिन अनिल के बाद मुकेश अंबानी के साथ उन्होंने गौतम अडाणी और उनकी कंपनियों पर निशाना साधने का सिलसिला तेज किया। अचानक उनके टारगेट से मुकेश अंबानी भी दूर हो गए क्योंकि राहुल गांधी के आरोप मुकेश अंबानी की कंपनियों का बाल भी बांका नहीं कर सके। लेकिन अडाणी पर होने वाले उनके आरोपों की धार देश के भीतर से नहीं देश के बाहर से तेज हो रही है। राहुल गांधी एंड कंपनी को सारी आक्सीजन देश के बाहर से ही मिल रही है। अब तक तो जार्ज सोरस का नाम ही सामने आता है जिनके बूते अडाणी पर आरोपों के गोले दागे जाते हैं। उसकी जद में संघ की पैदाइश यानि नरेंद्र मोदी को लाने की कोशिश होती है। अब जार्ज सोरस की भारतीय राजनीति में दिलचस्पी या उनके निहित स्वार्थों की वजह आखिर क्या है? इसका पता तो प्रामाणिक तौर पर भारत सरकार और उसे चलाने वाले एनडीए के प्रमुख घटक दल भाजपा के नेता नहीं जुटा सके हैं। यह अभी तक नहीं पता चल सका है कि आखिर कौन सी आधुनिक ईस्ट इंडिया कंपनियां (विदेशी मल्टीनेशनल कंपनी) सोरस की मुहिम को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं? लेकिन सुधांशु त्रिवेदी का यह सवाल जरूर इन संदेहों को पुख्ता करता है कि कोई न कोई तो है जिसके जरिये सोरस को आगे करके अमेरिकी डीप स्टेट राहुल को मोहरा बनाकर अपने हित साधने की कोशिश करता है। आरोपों की फेहरिस्त के बतौर मिलने वाली रसद इतनी आकर्षक है कि राहुल और उनकी ब्रिगेड यह भूल जाती है कि वे भारत में रहकर भारत के लिए राजनीति कर रहें हैं या विदेशों में अपनी साख कायम करने की जुगत में लगे रहते हैं? सवाल यही उठते हैं कि कहीं राहुल गांधी की राजनीति भारत में किसी तरह का तख्तापलट करके विदेशी मल्टीनेशनल कंपनियों को सिर माथे पर बिठाने का हिस्सा तो नहीं हैं? कांग्रेस की विचारधारा कांग्रेस का हाथ सबका साथ को पीछे छोड़ते हुए वामपंथियों की भाषा बोलते हुए देश से सनातन और हिंदुस्तानियों में दरार पैदा करना तो नहीं है? जातिगत जनगणना और आरक्षण के नाम पर भारतीय समुदाय की जातियों को एक दूसरे के खिलाफ करने की कोशिशों में तो नहीं लगे हैं?

देसी अमरबेलों की पहचान

दरअसल संघ के शताब्दी वर्ष पर हुई बहस ने जब तर्क-वितर्क से आगे बढ़ते हुए कुतर्कों का रूप लिया तो बहस राजनीतिक दायरों से लेकर गौतम अडाणी को फायदा पहुंचाने के आरोपों तक जा पहुंची। सुधांशु मिश्रा ने सीधा आरोप जड़ते हुए यह सवाल भी किया कि आखिर संसद के सत्र के पहले ही हिंडनवर्ग जैसी भरोसा और साख खो चुकी कंपनी अडानी को निशाना क्यों बनाती है? यह सब मोदी को घेरने के नाम पर होता है लेकिन अंत में नतीजा कुछ और ही निकलता है। कांग्रेसी प्रवक्ता अभय दुबे ने अडाणी पर सेबी जैसे कई भारतीय संगठनों की जांच को लेकर घेरा लेकिन इससे तो यह मतलब निकलता है कि सरकार या उसकी एजेंसियां गलती करने पर किसी को नहीं बख्शतीं। यहां तक कि मुकेश अंबानी की कंपनियों के खिलाफ भी कई नोटिस जारी हो चुके हैं। सुधाशु त्रिवेदी का सवाल था कि विदेशी मीडिया की खबरों के जरिए ही मोदी को क्यों घेरा जाता है? जार्ज सोरस की इसमें क्या भूमिका है? लेकिन कांग्रेस यह कहकर कुतर्क पर आमादा हो जाती है कि सोरस यदि भारत के खिलाफ कुछ करते हैं तो भारत सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए इंटरपोल की मदद क्यों नहीं लेती? लेकिन सुधांशु त्रिवेदी ने कनाडा में खालिस्तानी मूवमेंट के खिलाफ कनाडा की सरकार के रवैये में आए बदलाव के साथ भारत विरोधी संगठनों के खिलाफ अमेरिकी सरकार के कदमों का उल्लेख करके बताया कि भारत सरकार चुप नहीं बैठी है। सबका नंबर आएगा। त्रिवेदी के पलटावरों के इतर अब देखने वाली बात यह है कि जार्ज सोरस तक भारत सरकार के हाथ कब तक पहुंचते हैं, लेकिन यह तो तय है कि बीते कुछ महीनों में सोरस से रसद पानी लेकर कांग्रेस की जड़ों तक फैलने वाली देसी अमरबेलों की पहचान शुरू हो चुकी है। (जारी)

न्यूज विंडो

पाकिस्तान और तालिबान के बीच 48 घंटे का युद्धविराम

इस्लामाबाद/काबुल, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच कई दिनों तक चली हिंसक झड़पों के बाद दोनों पक्ष 48 घंटे के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। यह युद्धविराम बुधवार शाम को 6 बजे से लागू हुआ है। इसके पहले कई दिनों तक चली जमीनी और हवाई लड़ाई में दोनों पक्षों की तरफ से दर्जनों लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। 2021 में काबुल की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच यह हिंसा का सबसे बुरा दौर था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस युद्धविराम की घोषणा करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य शत्रुता को कम करना और अस्थिर सीमा पर हाल ही में भड़की लड़ाई के बाद बातचीत का रास्ता खोलना है।

पीएम मोदी आंध्रप्रदेश पहुंचे ज्योतिर्लिंग में पूजा की

नंदयाल/कुर्नूल, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज आंध्र प्रदेश के नांदयाल पहुंचे। मोदी ने यहां श्रीशैलम में भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन,पूजा और ध्यान किया। ये मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों और 52 शक्तिपीठों में शामिल है। यह एकमात्र मंदिर है, जहां ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों है। इसके बाद पीएम कुर्नूल में 13,430 करोड़ की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास कर रहे हैं।

ग्वालियर में एजिथ्रोमाइसिन सस्पेंशन पर बैन

अब कफ सिरप में कीड़े मिलने से हड़कंप, लैब भेजे गए सैंपल

ग्वालियर, एजेंसी

प्रदेश के छिंदवाड़ा में कफ सिरप से हुई बच्चों की मौत का जख्म अभी ताजा है और अब ग्वालियर जिला अस्पताल में ओरल सिरप में कीड़े मिलने की शिकायत ने स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा दिया है। हालांकि जांच करने पहुंची ड्रग इंस्पेक्टर अनुभूति शर्मा का कहना है कि सैंपल कलेक्ट करके जांच के लिए भेज दिया है। फिजिकल वेरिफिकेशन में तो कीड़े नहीं मिले हैं लेकिन शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ग्वालियर के मुरार अस्पताल में एजिथ्रोमाइसीन ओरल सस्पेंशन सिरप में कीड़े निकलने की घटना सामने आते ही इस दवा के वितरण को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बची हुई दवाओं को भी जब्त कर लिया गया है। बैच नंबर एल 50190 की दवा में कीड़े मिलने की शिकायत सामने आई थी। यह शिकायत अस्पताल से दवा ले गई एक महिला द्वारा की गई थी। इसके बाद विभाग हरकत में आया और सिरप की 256 सीसी स्टोर से वापस मांगकर कुल 306 सीसी को फ्रीज कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त एक बैच एल 24-0431ए के वितरण पर भी तत्काल रोक लगा दी गई है।

16 बोतल के नमूने लिए

बताया जा रहा है कि ड्रग विभाग ने एजिथ्रोमाइसीन सस्पेंशन की 16 बोतल के सैंपल लिए हैं। इन सैंपल को केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला कोलकाता भेजा जाएगा। ड्रग इंस्पेक्टर अनुभूति शर्मा ने बताया कि परीक्षण के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि सिरप की गुणवत्ता में कोई कमी है। बिना रिपोर्ट आए किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता लेकिन एहतियात के तौर पर फिलहाल दवाई के वितरण पर रोक लगा दी गई है। एजिथ्रोमाइसीन ओरल सस्पेंशन एक एंटीबायोटिक सस्पेंशन है।

जेडीयू के सभी उम्मीदवार घोषित, 4 मुस्लिम पर दांव, अनंत सिंह सहित कई बाहुबली मैदान में

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए जेडीयू ने आज अपनी दूसरी लिस्ट जारी कर दी। लिस्ट में 44 लोगों के नाम हैं। इससे पहले 57 कैंडिडेट्स का ऐलान किया गया था। पार्टी इस बार 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सभी सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान हो गया है। 101 लिस्ट में कुल 13 महिलाओं को शामिल किया गया है। 4 मुस्लिम चेहरों को भी टिकट दिया गया है। 37 से ज्यादा सिटिंग विधायक हैं। 12 मंत्री हैं। जेडीयू ने कुल सीट बंटवारे में जातीय समीकरण का पूरा ख्याल रखा है। 37 पिछड़ा, 22 अति पिछड़ा, 22 सामान्य, 4 अल्पसंख्यक और एक अनुसूचित जनजाति को टिकट दिया गया है। दूसरी लिस्ट में तेजस्वी की पत्नी राजश्री की तुलना जर्सी गाय से करने वाले राजबल्लभ की पत्नी विभा देवी को टिकट दिया गया है। बाहुबली आनंद मोहन के बेटे चेतन आनंद को औरंगाबाद के नवीनगर से टिकट दिया गया है। 4 मुस्लिम चेहरों को भी टिकट दिया गया है। 3 बाहुबलियों को टिकट मिला है। मोकामा से अनंत सिंह, एकमा से धूमल सिंह, कुचायकोट से अमरेंद्र पांडेय को उतारा गया है।

जिसने मां राबड़ी देवी को हराया, वह तेजस्वी के सामने तेजप्रताप की साली करिश्मा भी मैदान में.... देखें पेज 8

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

कर्नाटक हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश में कहा था- अनिवार्य नहीं है सर्वे

नारायण-सुधा मूर्ति का जाति सर्वे में शामिल होने से इनकार

नईदिल्ली, एजेंसी

इन्फोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति ने कर्नाटक पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा कराए जा रहे सोशल और एजुकेशनल सर्वे में भाग न लेने का फैसला किया है। अधिकारियों के अनुसार, जब सर्वेक्षक उनके घर पहुंचे तो उन्होंने कहा कि वे अपने घर पर सर्वे नहीं चाहते। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे किसी भी पिछड़े समुदाय से ताल्लुक नहीं रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वह ऐसे सरकारी काम में भाग नहीं लेंगे जो पिछड़े समुदाय के समूहों के लिए है।

दोनों ने सेल्फ-डिक्लरेशन फॉर्म जमा किया: सुधा मूर्ति ने सर्वे फॉर्म पर एक लिखित बयान पर हस्ताक्षर करके कहा कि यह सर्वे उनके मामले में सरकार के लिए प्रासंगिक या उपयोगी नहीं है। उन्होंने प्रक्रिया से बाहर रहने के लिए एक सेल्फ-डिक्लरेशन फॉर्म भी जमा किया। उनके इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि हम किसी को भी सर्वेक्षण में भाग लेने के लिए मजबूर नहीं करते। उन्होंने कहा कि यह सर्वे स्वैच्छिक आधार पर हो रहा है। यह अपनी मर्जी से करना होगा। बता दें कि ये सर्वे पूरी तरीके से वैकल्पिक है।

सर्वेक्षक डिटेल्स पर जोर नहीं दे सकते

कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में राज्य सरकार को सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करने का निर्देश दिया था कि सामाजिक-आर्थिक और एजुकेशनल सर्वे अनिवार्य नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सर्वेक्षक डिटेल्स पर जोर नहीं दे सकते और निर्देश दिया कि एकत्र किए गए सभी डेटा को गोपनीय रखा जाए, जो केवल पिछड़ा वर्ग आयोग के लिए उपलब्ध हो। कोर्ट ने कहा कि सर्वेक्षण का उद्देश्य पिछड़े वर्गों को लाभ पहुंचाना था और ऐसी जानकारी एकत्र करने से नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है।

व्यक्तिगत कारण

राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति ने एक सेल्फ-डिक्लेरेशन पर साइन किया। इसमें कहा गया कि परिवार सर्वे में हिस्सा लेने से मना कर रहा है क्योंकि इससे उनके मामले में सरकार का कोई मकसद पूरा नहीं होगा। वहीं, सुधा मूर्ति ने कर्नाटक स्टेट कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लासेस के सोशल और एजुकेशनल सर्वे में कोई भी जानकारी न देने के बहाने के तौर पर पर्सनल कारण भी बताए।

बाजारों में ऑफर्स की धूम: एक पर एक फ्री, कैश डिस्काउंट की भरमार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जीएसटी में छूट, कर्मचारियों को बोनस, लाड़ली बहना का पैसा मिलना और नई खरीफ फसल के मंडियों में उतरने का फायदा बाजारों को मिल रहा है। दीप पर्व के लिए कंपनियों ने कई तरह के ऑफर्स पेश किए हैं जिसका फायदा ग्राहक उठा रहे हैं। कंपनियां भी ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से उपभोक्ताओं को फेस्टिव सीजन का उपहार आकर्षक छूट के माध्यम से दे रही हैं। कारोबारियों ने भी त्योहारी मांग को देखते हुए अपने प्रतिष्ठानों में फ्रेश और नई डिजाइन के सामानों का स्टॉक कर लिया है। इस समय शहर के सराफा, कपड़ा, ऑटोमोबाइल, कपड़ा, इलेक्ट्रानिक सहित डेकोरेटिव आयटम विक्रेताओं की दुकानों पर खासी पूछपरख हो रही है। दुकानों पर ऑफर्स के बोर्ड/पंपलेट लग गए है।

दशक का सबसे बड़ा कारोबार होगा

दिवाली नजदीक आते ही बाजारों में उत्साह, उमंग और समृद्धि का माहौल है। लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का कहना है कि इस वर्ष त्योहारी सीजन में देश का व्यापार 4.75 लाख करोड़ रुपए और मध्यप्रदेश का लगभग 10,000 करोड़ रुपए का होगा। कैट के प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल का कहना है कि इस बार फसल सहित सरकारी योजनाओं तथा जीएसटी कटौती का लाभ ग्राहकों को मिल रहा है। उनकी परचेजिंग पॉवर बढ़ी हुई है। फेस्टिव सीजन में उपभोक्ता वस्तुओं की मांग तो बढ़ गई है, लेकिन शहर के लगभग सभी बाजारों में पार्किंग की बड़ी समस्या बनी हुई है।

नए सामान खरीदना शुभ

धार्मिक मान्यताओं के आधार पर कहा जाता है कि दिवाली के लिए किसी भी प्रकार की नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। खासकर सोना, चांदी, वाहन, बर्तन और वस्त्रों की खरीदारी का काफी महत्व होता है। मान्यता है कि लक्ष्मी और कुबेर प्रसन्न होते हैं और सालभर घर में धन-धान्य बना रहता है।

पुष्य नक्षत्र में बरसीं लक्ष्मी: बाजारों में दीपावली से पूर्व अभूतपूर्व उत्साह और समृद्धि का माहौल दिख रहा है। प्रमुख 23 बाजार रोशनी से जगमगा रहे हैं। ग्राहकों का हुजूम ऐसा है कि दुकानें छोटी पड़ गई हैं। पुष्य नक्षत्र पर जमकर खरीदी हुई। न्यू मार्केट, चौक बाजार, 10 नंबर मार्केट और बैरागढ़ जैसे बड़े व्यापारिक क्षेत्रों में बंपर बिक्री दर्ज की गई है। इस साल ग्राहकों की संया में 60-65 फीसदी की वृद्धि हुई है। शनिवार से बुधवार के बीच के प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, बिक्री में 70-75 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। दिवाली पर कपड़ों की मांग में 30 से 35 फीसदी तक उछाल आ जाता है। इसलिए बाजार में भी काफी भीड़ दिख रही है।

रात में हो रहा ठंड का अहसास, उत्तर पश्चिम हवाएं फिजा को बना रहीं सर्द

एक सप्ताह में 5 डिग्री गिरा तापमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में सर्दी की दस्तक हो गई है। मानसून की विदाई के साथ ही सुबह, शाम और रात में ठंडक का अहसास होने लगा है। एक सप्ताह में ही न्यूनतम तापमान में लगभग पांच डिग्री की गिरावट आई है। इससे घरों में पंखों की स्पीड कम हो गयी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार धीरे-धीरे तापमान और गिरावट का ट्रेंड जारी रहेगा। शहर से मानसून विदा हो चुका है। इस बार मानसून की विदाई पांच दिन देरी से हुई। लेकिन सर्दी का आहट जल्दी हो गई। पिछले तीन सालों में सर्दी दूसरे पखवाड़े में शुरू हुई, जबकि इस बार पहले पखवाड़े में ही असर दिख रहा है। पिछले चार दिनों से शहर का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे बना हुआ है।

न्यूनतम तापमान

09 अक्टूबर	22.3
10 अक्टूबर	21.6
11 अक्टूबर	20.0
12 अक्टूबर	19.6
13 अक्टूबर	18.0
14 अक्टूबर	19.0
15 अक्टूबर	17.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी का असर

इस बीच प्रदेश में रातें ठंडी हो गई है। हवा का रुख बदलने से ऐसा हो रहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों में बर्फबारी हो रही है। इस वजह से उत्तरी हवा चल रही है और राजधानी में ठंडक बढ़ा रही है।

सेट हो रहा विंड पैटर्न

मौसम विशेषज्ञ ने बताया कि धीरे-धीरे विंटर विंड पैटर्न सेट हो रहा है। विंटर में उत्तरी विंड पैटर्न होता है, जो धीरे-धीरे सेट होने लगा है। उत्तरी, उत्तर पश्चिमी, उत्तर पूर्वी हवा आ रही हैं। इसके चलते तापमान में गिरावट आ रही है। साथ ही आगे पश्चिमी विक्षोभ भी सक्रिय होंगे। आगे तापमान में गिरावट की संभावना है।

दिन में हल्के बादल, आधा डिग्री की गिरावट

गुरुवार को शहर में हल्के बादल रहे। धूप भी खिलती रही। इससे अधिकतम तापमान में भी गिरावट आई, वहीं न्यूनतम तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को अधिकतम तापमान 29.6 और न्यूनतम 17.8 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में आधा डिग्री की गिरावट हुई, वहीं न्यूनतम तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई। आगे आने वाला मौसम ऐसा ही रहने वाला है।

एयरपोर्ट पर फ्लाइंग ट्रेनिंग सेंटर बनेगा

स्टार लिगविंग फ्लाइंग एकेडमी प्रोफेशनल पायलट करेगा तैयार राजाभोज एयरपोर्ट डायरेक्टर व कंपनी के बीच एमओयू

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजाभोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जल्द ही प्रोफेशनल पायलट ट्रेनिंग सेंटर शुरू होगी। शुक्रवार को एयरपोर्ट प्रबंधन और कंपनी के बीच एमओयू साइन हुआ। स्टार लिंगविंग फ्लाइंग एकेडमी यहां प्रोफेशनल पायलट ट्रेनिंग के लिए अत्याधुनिक सेंटर बनाएगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एकेडमी को 25 साल की लीज पर जमीन दी है। इसके एवज में हर साल 45.45 लाख का किराया देना होगा। एकेडमी करीब 50 करोड़ का निवेश कर 18 महीने में इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करेगी। जनवरी 2027 से ट्रेनिंग शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

दूसरा फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन: एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि स्टार लिंगविंग फ्लाइंग एकेडमी भोपाल की दूसरी एफटीओ यानी फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन होगी। उन्होंने कहा कि नए एफटीओ के आने से न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि भोपाल को मध्य भारत का एविएशन ट्रेनिंग हब बनाने में मदद मिलेगी। एकेडमी की योजना पहले चरण में 30 विद्यार्थियों को एक वर्षीय कमर्शियल पायलट लाइसेंस कोर्स के लिए ट्रेनिंग देने की है।

फेज-वाइज डेवलपमेंट प्लान

पहले चरण में तीन सिंगल इंजन एयरक्राफ्ट शामिल किए जाएंगे। दूसरे चरण में छह महीने के भीतर एक ट्विन इंजन एयरक्राफ्ट जोड़ा जाएगा, जो आधुनिक एवियोनिक्स और सेफ्टी सिस्टम से लैस होगा। एकेडमी इस परियोजना

पर कुल 50 करोड़ का निवेश करेगी। विकास कार्यों में 900 वर्गमीटर का एप्रन, 900 वर्गमीटर का हैंगर, क्लासरूम और सपोर्ट फैसिलिटीज शामिल हैं। पूरी परियोजना 18 महीने में पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

आरकेएमपी-निजामुद्दीन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल प्रशासन द्वारा त्योहारों पर यात्रियों को कंफर्म सीट दिलाने आरकेएमपी से दिल्ली के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी। यह गाड़ी रानी कमलापति से प्रस्थान कर विदिशा, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट, मथुरा स्टेशनों से होकर जाएगी। इस गाड़ी में 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 03 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 06 वातानुकूलित तृतीय इकॉनमी श्रेणी, 05 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी और 01 जनरेटर कार, 01 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

इंटरसिटी क्विजिंग चैलेंज स्पर्धा में बिलबोंग इंटरनेशनल स्कूल विजेता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एनआईटी भोपाल के क्विज़र्स क्लब द्वारा आयोजित इंटरसिटी क्विजिंग चैलेंज 2025 का जबलपुर सिटी क्वालीफायर स्टेमफील्ड इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें शहर भर से 15 उत्साही टीमों ने हिस्सा लिया। तीक्ष्ण बुद्धि और त्वरित सोच के दौर के बाद बिलबोंग इंटरनेशनल स्कूल विजेता बनकर उभरा, जिसमें आर्मी पब्लिक स्कूल नंबर 2 ने प्रथम रनर-अप और सेंट गेब्रियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने द्वितीय रनर-अप का स्थान हासिल किया। बिलबोंग इंटरनेशनल स्कूल एनआईटी भोपाल में आयोजित होने वाले आगामी फिनाले राउंड में जबलपुर का प्रतिनिधित्व करते हुए ज्ञान और उत्कृष्टता की इस रोमांचक खोज को जारी रखेगा।

सक्रिय और इच्छुक टीचर्स को ही दें प्लेसमेंट सेल की जिम्मेदारी

भोपाल. सरकारी कॉलेजों में प्लेसमेंट सेल का संचालन किया जाना है। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी कॉलेजों को आदेश जारी कर दिए हैं। जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के प्रभारी ही महाविद्यालय स्तर पर टीपीओ की जिम्मेदारी निभाएंगे। योजना के निदेशक डॉ. मनोज कुमार सिंह ने आदेश में कहा है कि केवल सक्रिय, रुचि रखने वाले और इच्छुक प्राध्यापक को ही यह दायित्व सौंपा जाए। इससे पूर्व भी इसी विषय में निर्देश जारी किए गए थे। इस निर्णय का उद्देश्य युवाओं के करियर मार्गदर्शन और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को सशक्त बनाना है।

अपने मौन से संवाद करती हैं पयोधि की कविताएं - विनोद कुमार जैन

'आतम से संवाद' कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार जैन ने कहा कि कविता लिखी नहीं जाती वह प्रकट होती है। जब तक संवाद है तब तक समस्या का समाधान है। आश्चर्य और जिज्ञासा का भाव नव सृजन का आधार होते हैं। पयोधि की कविताएं अपने मौन से संवाद करती हैं जो जीवन को चिंतन की नई दिशा देती हैं। श्री जैन पाठक मंच केंद्र अयोध्या नगर द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार लक्ष्मीनारायण पयोधी के नवीनतम प्रकाशित काव्य संग्रह 'आतम से संवाद' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे।

आयोजन में स्वागत वक्तव्य डॉ.विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल ने दिया। उन्होंने पयोधी को उनके नव प्रकाशित काव्य संग्रह की बधाई देते हुए उनकी इस आध्यात्मिक सृजन यात्रा पर सतत् आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दीं।

। कार्यक्रम का संचालन पाठक मंच केंद्र के संयोजक घनश्याम मैथिल अमृत ने किया। इस अवसर पर साहित्यकार लक्ष्मीकांत जवने ने इस संग्रह की विशेषताओं को रेखांकित किया। इस कविता संग्रह पर चर्चा करते हुए महेश सक्सेना, सुंदरलाल प्रजापति, दीपक पंडित, डॉ. आकांक्षा दुबे, प्रदीप श्रीवास्, कांता रॉय, दीपक पगारे, गोकुल सोनी, मनीष बादल, भंवर लाल श्रीवास ने अपनी महत्वपूर्ण समीक्षात्मक टिप्पणियां प्रस्तुत की। श्री पयोधि ने अपनी सृजन यात्रा साझा करते हुए सभी का आभार प्रकट किया।

मेट्रो एंकर | 'वचन वीर रामकथा रामायण' नाट्य कार्यशाला का आयोजन

नाटक के जरिए सत्यता की भावना का प्रदर्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

दी आर्ट रिवोल्यूशन द्वारा रंग चाक आर्ट के सहयोग से दीपावली के अवसर पर नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसमें 10 से 20 साल तक के बच्चों और युवाओं ने भाग लिया था। कार्यशाला के दौरान तैयार नाटक का मंचन पीडब्ल्यूएस, बढ़वई में किया गया। बता दें कि यहां प्रतिभागियों ने 'आशीर्वाद झा' द्वारा लिखित एवं निर्देशित नाटक - 'वचन वीर - रामकथा रामायण' का मंचन किया। इसमें पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की जीत को बताते हुए सत्यता की भावना को दर्शाया गया और रामायण के प्रमुख अंशों को दर्शाया गया। 'थिएटर इन एजुकेशन' की इस कड़ी में यह प्रस्तुति दी गई। नाटक का संपूर्ण संगीत 'रंग चाक आर्ट' संस्था द्वारा किया गया है। रंगमंच कैसे विद्यालय में नियमित शिक्षा का पाठ्यक्रम बने, इसी लक्ष्य के साथ यह नाटक प्रस्तुत किया गया। ज्ञात हो कि अब तक इसी इनिशिएटिव पर प्रदेश के 55 विद्यालय और विश्वविद्यालय में नाटक मंचित हुए हैं, उसी कड़ी में यह नाटक भी शामिल है।

जयघोष से गूंज उठा पूरा सभागार

नाटक का आरंभ श्रीराम जन्म दृश्य से हुआ, जहां अयोध्या में आनंद की लहर दौड़ गई। इसके बाद सीता स्वयंवर दिखाया गया, जिसमें भगवान श्रीराम द्वारा शिवधनुष तोड़ने का अद्भुत क्षण दर्शकों की तालियों से गूंज उठा। वहीं वनवास के हृदयस्पर्शी दृश्य ने दर्शकों की आंखें नम कर दी। सेतु निर्माण के प्रेरणादायक दृश्य में सभागार वानर सेना के परिश्रम और श्रद्धा के संदेश से गूंज उठा। अंत में रावण दहन हुआ, जिसने बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया। मंचन का समापन जयघोष ''जय श्रीराम!'' के साथ हुआ।

दो शिफ्ट में चलेगा हमीदिया कॉलेज रूसा भवन में शिफ्ट होंगे छह विभाग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस हमीदिया कॉलेज में अब कक्षाएं दो शिफ्टों में संचालित की जाएंगी। बीते दिनों हुई स्टाफ काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया है।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल सेवानी ने बताया कि नई व्यवस्था के अनुसार पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से 12 बजे तक चलेगी। इसमें कॉमर्स संकाय की कक्षाएं लगेंगी। वहीं दूसरी शिफ्ट सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी, जिसमें आर्ट्स और साइंस संकाय के विद्यार्थियों की कक्षाएं होंगी। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, वर्तमान में कॉमर्स संकाय में लगभग 1800 छात्र अध्ययनरत हैं, जबकि आर्ट्स और साइंस संकाय में करीब 2200 छात्र-छात्राएं हैं। दोहरी शिफ्ट व्यवस्था से सभी विद्यार्थियों को पर्याप्त स्थान और सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया कि प्राचार्य कक्ष सहित छह विभागों को कॉलेज परिसर में बने नए रूसा भवन में शिफ्ट किया जाएगा। पहले इन विभागों को कमला पार्क स्थित एनएसएस कार्यालय में स्थानांतरित करने का निर्णय हुआ था, लेकिन वहां के कमरों की जर्जर स्थिति को देखते हुए योजना में बदलाव किया गया है। गौरतलब है कि हमीदिया कॉलेज की ऐतिहासिक इमारत का एक हिस्सा अचानक ढह गया। पहले भी 29 अक्टूबर को भवन का एक हिस्सा गिर चुका था। लगातार गिरते हिस्सों के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र को फिलहाल बंद कर दिया है, लेकिन मरम्मत और पुनर्निर्माण को लेकर कोई ठोस योजना अभी सामने नहीं आई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओरछा में श्रीराम राजा लोक के द्वितीय चरण के प्रस्तावित निर्माण कार्यों की जानकारी ली और मॉडल का अवलोकन किया।

राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की मीटिंग में हुआ था फैसला

प्रदेश के दस वनराज जाएंगे ओडिशा, राजस्थान और छग शिफ्टिंग को लेकर भेजी चिट्ठी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के टाइगर रिजर्व में स्वच्छंद विचरण कर रहे दस नर और मादा बाघ ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के जंगलों में भेजे जाएंगे। पंद्रह दिन पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में इसकी सहमति दिए जाने के बाद वन विभाग ने इसकी कवायद तेज कर दी है। मध्यप्रदेश के वाइल्ड लाइफ पीसीसीएफ शुभरंजन सेन ने इसको लेकर इन तीनों ही राज्यों को चिट्ठी लिखी है और टाइगर शिफ्टिंग की तैयारियां पूरी करने को कहा है।

वन विभाग के पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ शुभरंजन सेन ने उड़ीसा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को भेजे पत्र में कहा है कि वे अपने यहां एमपी से ट्रांसलोकेट किए जाने वाले नर और मादा टाइगर के लिए बाड़ा बनाने, बाघों की ट्रेकिंग और मानिटरिंग के लिए रेडियो कॉलर लगाने और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर लें ताकि बाघों की शिफ्टिंग होने पर उन्हें अनुकूल और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

इन राज्यों में जाएंगे इतने टाइगर

- तीन बाघ ओडिशा के देवरीगढ़ वन्य जीव अभयारण्य में शिफ्ट होंगे।
- इसमें एक नर बाघ और दो मादा बाघ शामिल होंगे।
- राजस्थान में चार मादा टाइगर भेजे जाएंगे जिसमें रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व में 3, मुकुंद्रा टाइगर रिजर्व में एक बाघ शामिल हैं।
- छत्तीसगढ़ के लिए तीन टाइगर भेजे जाना है जिसमें दो नर बाघ और एक मादा बाघ शामिल हैं।

एमपी के दस बाघ कान्हा टाइगर रिजर्व, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व और पेंच टाइगर रिजर्व से इन राज्यों में भेजे जाएंगे। इनके लिए उचित रहवास का इंतजाम करना संबंधित राज्य के वन विभाग की जिम्मेदारी होगी।

सीएम ने कहा था, दूसरे राज्यों के वन्य प्राणी भी लाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 सितंबर को राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में कहा था कि दूसरे राज्यों को प्रदेश में उपलब्ध वन्य प्राणी अवश्य दें, परन्तु उनसे भी उनके यहां उपलब्ध वन्य प्राणी प्राप्त कर प्रदेश की वन विविधताओं को और अधिक समृद्ध करें। मुख्यमंत्री ने आसम से गेंडा या एक सींग वाला गेंडा लाने के प्रयास करने को कहा है। इस बैठक में तीन राज्यों ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को तीन जोड़े टाइगर देने का निर्णय लिया गया था। राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की 30वीं बैठक में मुख्यमंत्री यादव ने यह भी कहा था कि मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली फ्लोरल एंड फौनल डायवर्सिटी (वानस्पतिक एवं जैविक विविधताओं) की प्रॉपर ब्रांडिंग की जाए। प्रदेश के समृद्ध वन क्षेत्रों एवं यहां के वनों में वन्य जीवों की सहज उपलब्धता का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

मध्यप्रदेश के लिए बड़ी चुनौती: आयुष्मान के नाम पर धोखाधड़ी

कैशलेस इलाज में अस्पताल एक्स्ट्रा चार्ज बता वसूली कर रहे, शिकायत पर 3 गुना जुर्माना

भोपाल, दोहपर मेट्रो

नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के निर्देश पर भोपाल में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के पहले दिन योजना से जुड़ी चुनौतियों पर व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान मध्यप्रदेश आयुष्मान भारत के सीईओ योगेश भरसट ने बताया कि प्रदेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती आयुष्मान योजना के लाभार्थियों से धोखाधड़ी को रोकना है।

योजना के तहत हर मरीज को केशलेस और मुफ्त इलाज मिलना चाहिए, लेकिन कुछ अस्पताल एक्स्ट्रा चार्ज या अन्य बहानों से अवैध वसूली कर रहे हैं। ऐसे कई शिकायतें हमें मिली हैं। योगेश भरसट ने कहा कि इन शिकायतों का सत्यापन कर समाधान निकालना भी चुनौतीपूर्ण काम है। धोखाधड़ी रोकने के लिए नई व्यवस्था बनाई जा रही है। यदि किसी मरीज को इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ता है और वह प्रमाण के साथ शिकायत दर्ज कराता है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। मरीज को उसका पैसा दिलाने के साथ-साथ संबंधित अस्पताल पर तीन गुना तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यदि किसी अस्पताल के खिलाफ एक से अधिक शिकायतें पाई जाती हैं तो उनके खिलाफ कड़े कदम भी उठाए जाएंगे। कार्यशाला में कुल 27 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से योजना से जुड़े दो-दो अधिकारी शामिल हुए। साथ में NHA के अधिकारियों ने भी भाग लिया।

दूरदराज इलाकों में अस्पतालों की कमी भी समस्या

योगेश भरसट ने यह भी स्वीकार किया कि भोपाल, ग्वालियर, इंदौर और जबलपुर जैसे महानगरों में योजना से जुड़े अस्पतालों की संख्या अच्छी है और मरीजों को योजना के तहत इलाज आसानी से मिल रहा है। लेकिन अलीराजपुर, अनूपपुर, मऊगंज, पंडुगा, निवाड़ी जैसे दूरदराज जिलों में अस्पतालों की कमी है, जिससे वहां के मरीजों को बड़े शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता है और यात्रा, ठहरने व अन्य खर्च बढ़ जाते हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए इन क्षेत्रों में नए अस्पताल खोजकर उन्हें योजना से जोड़े जाने की कार्रवाई तेज की जाएगी।

सात साल पूरे होने पर कार्यशाला

यह कार्यशाला आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सात साल पूरे होने पर इसे नई दिशा देने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। इस योजना की शुरुआत 2018 में झारखंड से की गई थी और अब 2030 तक AB-PMJAY 2.0 के रूप में इसे और अधिक सक्षम बनाना लक्ष्य है। कार्यशाला में बीते सात वर्षों में मिली उपलब्धियों और आयी समस्याओं पर भी चर्चा हुई ताकि सफल मॉडलों को अन्य राज्यों में अपनाया जा सके। मध्यप्रदेश पहला राज्य है जिसने लाभार्थियों को योजना से जुड़ी जानकारी देने के लिए आयुष्मान चैटबॉट शुरू किया। यह व्यवस्था अब पूरे देश में लागू करने की रूपरेखा पर है। इसके अलावा मध्यप्रदेश आयुष्मान डिजिटल मिशन में भी अग्रणी राज्यों में शामिल है।

एमपी की 7 साल की प्रमुख उपलब्धियां

- 4.30 करोड़ लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया।
- 50 लाख रुपए का फ्री क्लेम पास किया गया।
- 8,000 करोड़ रुपए के बिल पास किए गए।

क्वालिटी सुनिश्चित करने के कदम

योगेश भरसट ने कहा कि मध्यप्रदेश में लगभग 650 NABH-प्रमाणित अस्पताल हैं, जिनमें से करीब 200 सिर्फ भोपाल में स्थित हैं। प्रदेश का प्रयास है कि बड़े शहरों में केवल NABH-प्रमाणित अस्पतालों को ही योजना से जोड़ा जाए ताकि उपचार की गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे। इस नीति पर अस्पतालों की कुछ आपत्तियों पर आगे चर्चा की जाएगी और एग्जीक्यूटिव कमेटी में अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित

मध्य प्रदेश में ग्रोथ हब के रूप में विकसित होंगे भोपाल और इंदौर आर्थिक क्षेत्र

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने जी-हब पहल के तहत शहरी क्षेत्रों को आर्थिक ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने का फैसला किया है। इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक संचालन समिति और जी-हब क्रियान्वयन इकाई समिति गठित की गई है। इस पहल का उद्देश्य भोपाल आर्थिक क्षेत्र (भोपाल, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर) और इंदौर आर्थिक क्षेत्र (इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, खरगोन, रतलाम, शाजापुर, खंडवा) को आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। नीति आयोग के सहयोग से इन क्षेत्रों के लिए आर्थिक विकास की रणनीति और रोडमैप तैयार किया जाएगा।

नीति आयोग व अन्य विभागों के साथ समन्वय करेगी - संचालन समिति में नगरीय विकास, वित्त, औद्योगिक नीति, पर्यावरण, वन, ऊर्जा जैसे विभागों के प्रमुख सचिव शामिल होंगे, जबकि मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग के सीईओ को सदस्य-सचिव बनाया गया है। यह समिति जी-हब पहल की दिशा तय करेगी, नीति आयोग व अन्य विभागों के साथ समन्वय करेगी, प्रगति की समीक्षा करेगी और अन्य राज्यों व अंतरराष्ट्रीय स्तर की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का मार्गदर्शन देगी।

जी-हब क्रियान्वयन समितियां बनाई गई

भोपाल और इंदौर आर्थिक क्षेत्रों के लिए अलग-अलग जी-हब क्रियान्वयन समितियां बनाई गई हैं, जिनके अध्यक्ष आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास होंगे। इनमें संबंधित जिलों के कलेक्टर, आयुक्त और नगरपालिका अधिकारी शामिल होंगे। ये समितियां बेसलाइन डेटा एकत्र करेंगी, आर्थिक प्रोफाइल तैयार करेंगी, और निवेश, उद्योग, अवसंरचना, कृषि, स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में प्राथमिकताएं तय करेंगी। साथ ही, पीएम गति शक्ति जैसी योजनाओं के साथ समन्वय कर परियोजनाओं का प्रारूप तैयार किया जाएगा।

आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद

यह पहल स्थानीय स्तर पर परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, प्रगति की निगरानी करने और सुधारात्मक कदम सुझाने में मदद करेगी। इसके अलावा, अन्य राज्यों और अंतरराष्ट्रीय बेस्ट प्रैक्टिसेज का अध्ययन कर क्षेत्रीय योजनाओं में शामिल किया जाएगा। इस पहल से मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने जारी किए आदेश

आठ माह बाद 2 प्रतिशत डीए, एरियर्स नहीं, 4.50 पेंशनर्स को मिलेगा डीआर

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मोहन कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग ने आज पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स को महंगाई राहत (डीआर) देने के आदेश जारी कर दिए हैं। नियमित कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने के आठ माह दी गई महंगाई राहत में पेंशनर्स को एरियर्स देने का कोई जिक्र आदेश में नहीं किया गया है। एरियर्स नहीं मिलने से पेंशनर्स को नुकसान होगा। इस आदेश में छठवें वेतनमान पर 6 प्रतिशत और सातवें वेतनमान पर दो प्रतिशत महंगाई राहत दिए जाने का निर्णय लिया गया है। वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश में सभी विभागों, राजस्व मंडल अध्यक्ष, संभागायुक्त, विभागाध्यक्ष और कलेक्टरों से कहा गया है कि प्रदेश के पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स को पेंशन पर महंगाई राहत स्वीकृत की गई है।

इसके पहले 8 मई 2025 को जारी आदेश में पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स को एक मार्च 2025 से छठवें वेतनमान में मूल पेंशन और परिवार पेंशन पर 246 प्रतिशत की दर से और सातवें वेतनमान पर 53 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत मंजूर की गई थी जिसका भुगतान राज्य सरकार ने अप्रेल की पेंशन राशि से किया था।

अगस्त में छग सरकार ने दी थी मंजूरी

इसके बाद छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग द्वारा 25 अगस्त 2025 से मप्र पुनर्गठन अधिनियम 2000 की धारा 49 के अंतर्गत पेंशनर और परिवार पेंशनर्स को एक सितम्बर 2025 से सातवें वेतन मान पर 55 प्रतिशत और छठवें वेतनमान पर 252 प्रतिशत महंगाई राहत मंजूर कर एमपी सरकार की सहमति चाही गई है। इसके बाद मोहन यादव सरकार ने 14 अक्टूबर को हुई कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी दी है। इसके बाद जारी आदेश में वित्त विभाग ने कहा है कि इसके आधार पर एमपी के पेंशनर्स और परिवार पेंशनर्स को एक सितम्बर से यह महंगाई राहत स्वीकृत की गई है जिसका भुगतान अक्टूबर में मिलने वाली पेंशन में किया जाएगा।

पीसीसी चीफ के प्रदर्शन पर खंडेलवाल का तंज, कहा-

जीतू राजनीतिक सुर्खियों और कैमरों के लिए रच रहे हैं स्वांग

भोपाल। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने पीसीसी चीफ जीतू पटवारी द्वारा केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निवास पर किए गए प्रदर्शन को राजनीतिक स्टंटबाजी और अन्नदेवता का अपमान बताया है।

खण्डेलवाल ने कहा कि आज कांग्रेस के नेता जीतू पटवारी ने एक ऐसी हरकत की है, जो किसी जिम्मेदार नेता को शोभा नहीं देता। बिना किसी पूर्व सूचना के वे हमारे लोकप्रिय केंद्रीय कृषि मंत्री के घर पर पहुंच गए। सोयाबीन की बात कर रहे थे और गेहूं लेकर प्रदर्शन करने पहुंच गए। यह दर्शाता है कि उन्हें किसानों की नहीं, बल्कि कैमरों की चिंता है। बिना पूर्व सूचना के इस तरह का राजनीतिक स्वांग लोकतांत्रिक परंपराओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि मैं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की सराहना करता हूं जिन्होंने सम्मानपूर्वक बुलाया और आदरपूर्वक बात की। यह निंदनीय है कि जीतू पटवारी किसानों को बाहर छोड़कर अंदर जाकर कैमरों के सामने नाटक करने में व्यस्त थे। उनके कुर्ते पर माइक, साथ में कैमरे और वीडियो शूटिंग का पूरा तामझाम मौजूद था, जो यह दर्शाता है कि यह मात्र सोशल मीडिया शो था। पटवारी के इस अशोभनीय कृत्य की जितनी भी आलोचना की जाए कम है। कांग्रेस नेताओं को किसानों के वास्तविक मुद्दों और हितों पर कोई ध्यान नहीं है बल्कि वे स्टंट और लोकप्रियता की राजनीति कर रहे हैं।

पुलिस मुख्यालय में फर्जी मेडिकल बिल घोटाला

25 कर्मचारियों के नाम पर 15 लाख हड़पे, तीन अधिकारियों पर केस दर्ज

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय में मेडिकल शाखा के अधिकारियों ने पीटीआरआई के 25 कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर 15 लाख रुपए हड़प लिए। आरोपियों में प्रभारी सहायक उप निरीक्षक हर्ष वानखेड़े, तत्कालीन आंकिक कैशियर सूबेदार नीरज कुमार और सहायक स्टाफ प्रधान आरक्षक राजपाल ठाकुर शामिल हैं। मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए हैं। पीटीआरआई के कर्मचारियों ने मुख्यालय की पीटीआरआई शाखा के जिम्मेदारों को एक संयुक्त आवेदन सौंपा, जिसमें फर्जी बिल की जानकारी दी गई। जांच के बाद यह खुलासा हुआ कि आरोपी अधिकारियों ने 2023 से जुलाई 2025 के बीच 25 कर्मचारियों के नाम पर मेडिकल बिल पास कर सरकारी राशि अपने खाते में ट्रांसफर कराई।

टीआई सीबी राठौर ने बताया कि फरियादी उप पुलिस अधीक्षक ओपी मिश्रा ने कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन मंगलवार को सौंपा था। इसके आधार पर बुधवार को जहांगीराबाद पुलिस ने कूट रचित दस्तावेज और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। जांच में पता चला कि आरोपी कर्मचारियों के नाम से बिल पास करने के बाद सीधे उनकी बैंक खातों में रकम जाती थी। इसके तुरंत बाद आरोपी उन्हें कॉल कर बताते थे कि मेडिकल शाखा से गलती से कुछ राशि आपके खाते में पहुंच गई है।

मेट्रो एंकर अविश्वास प्रस्ताव लेकर पहुंचे कलेक्टर के पास

अपनी ही नपं अध्यक्ष को हटाने पर अड़े भाजपा पार्षद, कांग्रेसी भी साथ

हरदा/भोपाल, दोहपर मेट्रो

हरदा जिले में बीजेपी की नगर पालिका अध्यक्ष को हटाने के लिए सियासी संग्राम शुरू हो गया है। बीजेपी और कांग्रेस के पार्षद एकजुट हो गए हैं। बीजेपी के पार्षद तो इतने नाराज हैं कि अविश्वास प्रस्ताव का आवेदन लेकर हरदा कांग्रेस विधायक आरके दोगने के साथ कलेक्टर ऑफिस पहुंच गए। हालांकि बाद में पार्षदों ने इसको संयोग बताया। कहा कि विधायक के साथ नहीं आए हैं, जबकि कांग्रेस विधायक आरके दोगने ने साथ में आने का दावा किया है। उधर, बीजेपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी पार्षदों को 24 घंटे में जवाब मांगा है।

दरअसल, जिले की सिराली नगर परिषद में उठापठक चल रही है। जहां अध्यक्ष को हटाने के लिए भाजपा पार्षदों के साथ कांग्रेस के पार्षद भी एक हो गए। नगरपरिषद के 15 में से 13 पार्षद अपना इस्तीफा देने हरदा कलेक्ट्रेट पहुंचे। इन पार्षदों ने हरदा से कांग्रेस विधायक डॉ। आरके दोगने और कांग्रेस के जिला प्रवक्ता आदित्य गार्गव के साथ कलेक्टर सिद्धार्थ जैन से मुलाकात की।

इन सभी पार्षदों ने नगर परिषद अध्यक्ष अनीता अग्रवाल की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त किया और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। कांग्रेस विधायक डॉ। आरके दोगने ने कहा कि सिराली नगर परिषद के 10 बीजेपी और तीन कांग्रेस पार्षद अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए थे। उन्होंने इन पार्षदों को कलेक्टर से मिलवाया है। कलेक्टर ने अपर कलेक्टर पुरुषोत्तम कुमार को पार्षदों का सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। सत्यापन के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उधर, इस घटनाक्रम के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष और टिमरनी के पूर्व विधायक संजय शाह ने पत्रकारों को बताया कि सबंधित पार्षदों को बुलाया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेश वर्मा ने माना कि परिषद के पार्षद नगर परिषद की अध्यक्ष अनीता अग्रवाल की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि नए संशोधन के बाद पुराने अध्यक्ष को हटाना और पार्षदों में से किसी नए को अध्यक्ष बनाना आसान नहीं है। इसलिए पार्षदों की मांग नहीं मानी जा रही है।

कुशवाहा को अध्यक्ष बनाने पर सभी पार्षद एक मत

मालूम हो कि सिराली के वार्ड 9 से निर्विरोध निर्वाचित पार्षद पायल कुशवाहा को अध्यक्ष बनाने के लिए सभी पार्षदों का एक मत है। पार्षदों का मानना है कि यदि अध्यक्ष का इस्तीफा होता है तो पायल अध्यक्ष पद की सबसे प्रबल दावेदार होंगी। इस संबंध में हरदा कलेक्टर का कहना है कि 13 पार्षद मिलने आए थे, जिनका सत्यापन करने के बाद राज्य चुनाव आयोग को जानकारी भेज दी जाएगी। मालूम हो कि मध्यप्रदेश सरकार ने नगरीय निकाय के अध्यक्षों की कुर्सी बचाने के लिए एक्ट में संशोधन किया है।

आंखों पर पट्टी, कान में रुई ...!

प्रवर्तन निदेशालय ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के जेल में बंद अधिकारी अनिल पवार के बारे में नया खुलासा किया है कि उन्होंने रिश्तव के जरिये 169 करोड़ रु. का साम्राज्य खड़ा किया। पत्नी और बेटी के नाम से तो धन जुटाया ही, रिश्तेदारों के नाम का भी उपयोग किया। अनिल पवार वसई विरार सिटी नगर निगम के आयुक्त हुआ करते थे और इसी साल जुलाई में उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। प्रवर्तन निदेशालय ने यह भी खुलासा किया है कि पवार ने अवैध निर्माण के लिए प्रति वर्गफुट की दर तय कर रखी थी। वसूली के लिए वे एक गैंग चला रहे थे। यह पहला मौका नहीं है जब प्रशासनिक सेवा के किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। देश का शायद ही कोई ऐसा राज्य हो जहां इस तरह के मामले सामने न आए हों। मध्यप्रदेश में तो अधिकारी दंपति के पास से इतनी नगदी मिली थी कि उसे गिनने में मशीन को भी कई दिन लग गए थे। भ्रष्टाचार को लेकर सबसे ताजा 2023 के आंकड़े उपलब्ध हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में करीब 74 हजार शिकायतें मिली थीं जबकि 2022 में यह संख्या 1 लाख 15 हजार के आसपास थी। राज्य सरकारों के पास कितनी शिकायतें आई होंगी, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है और ऐसा भी नहीं है कि भ्रष्टाचार केवल अधिकारियों तक सीमित है। नीचे के कर्मचारी भी भ्रष्टाचार का कमाल दिखाते रहते हैं. सवाल यह है कि अनिल पवार जैसे लोग इस कदर भ्रष्टाचार करते रहते हैं और उन पर शुरुआती दौर में ही किसी की नजर क्यों नहीं जाती? सरकारी खुफिया तंत्र को क्या ऐसे अधिकारियों के बारे में जानकारियां नहीं मिलती हैं? क्या अधिकारी के मातहत काम करने वालों या उनके ऊपर काम करने वालों को भी भनक नहीं लगती है? ऐसा संभव ही नहीं है। भनक तो लगती ही होगी लेकिन जानबूझकर आंखों पर पट्टी बांध ली जाती है और कान में रुई डाल ली जाती है। जब हालात ऐसे हों तो फिर कार्रवाई करे कौन? जब पानी सिर से ऊपर बहने लगता है या भ्रष्टाचार को छिपाना मुश्किल हो जाता है तो फिर पवार जैसे अधिकारियों की पोल खुलती है। ऐसे में यह पूछा जाना लाजिमी है कि हमारे जनप्रतिनिधि क्या कर रहे होते हैं? इतने सारे जनप्रतिनिधियों में से क्या किसी को भी भनक नहीं लगती है या फिर अधिकारियों की करतूतों को इसलिए नजरअंदाज किया जाता है कि कभी उनसे जनप्रतिनिधियों को भी काम पड़ता है? हालांकि पहले की तुलना में प्रत्यक्ष भ्रष्टाचार के मामले निश्चय ही कम हुए हैं लेकिन अभी भी यह एक रोग की तरह हमारे सिह मौजूद है।

विश्व खाद्य दिवस

दुनिया में भूखे पेट सोने वाले लोग और अनाज के देर..

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते दशकों हो चुके हैं, परंतु दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेज़ी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फ़र्क़ नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें क़रीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ़ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। विश्व खाद्य दिवस का मकसद दुनिया से भूखमरी खत्म करना है। आज भी करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मज़बूर हैं। हमें आधुनिक तरीके से खेती करनी होगी ताकि यादा अनाज पैदा हो। इस दिन का उद्देश्य विकासशील देशों में तकनीकी और वित्तीय मदद बढ़ाना है ताकि वे यादा अनाज उगा सकें।अफ्रीका के कई देशों में यह समस्या बहुत गंभीर है, जैसे रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया और सोमालिया। हमें इन देशों की मदद करनी होगी ताकि वे अपने लोगों को खाना दे सकें। भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका है। हमें संकट के समय में स्थायी आदतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हम स्वस्थ भोजन के विकल्प चुन सकते हैं और भोजन की बर्बादी को कम करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, सरकारें, उद्यम और संगठन एवं अपनी समझ को साझा कर सकते हैं और स्थायी, लचीली खाद्य प्रणालियों और आजीविकाओं का समर्थन कर सकते हैं। हम सब मिलकर अपने विश्व का विकास, पोषण और स्थायित्व कर सकते हैं।

कुछ जगहों पर, खाद्य असुरक्षा की गंभीरता बहुत ज़्यादा है। अनुमान है कि 67.3 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ, मोटापे का बढ़ता स्तर और व्यापक खाद्य अपव्यय एक असंतुलित व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं द्य बढ़ती वैश्विक जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के पार टीमवर्क की आवश्यकता है। भारत में भी खाद्यान्न की कमी नहीं है, लेकिन फिर भी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिलता। इसकी वजह है खराब सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भंडारण की समस्या। लाखों टन अनाज खुले में सड़ जाता है, जबकि करोड़ों लोग भूखे पेट सोते हैं। बच्चों में कुपोषण की समस्या भी गंभीर है। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है ताकि अनाज की बर्बादी रोकी जा सके और लोगों को उचित मात्रा में भोजन मिल सके।

भारत में शादी-विवाह जैसे समारोहों में बहुत सारा खाना बर्बाद होता है। एक शोध के अनुसार बेंगलुरु में शादियों में लगभग 950 टन खाना फेंका गया। समस्या सिर्फ खाने की बर्बादी नहीं है, बल्कि जरूरत से यादा कैलोरी वाला खाना भी एक समस्या है। भारत में कुपोषण की समस्या गंभीर है, जबकि अनाज की बर्बादी हो रही है। विश्व खाद्य उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार भारत में भुखमरी की समस्या से निपटने की गति धीमी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त अनाज है, लेकिन फिर भी कई लोग भूखे हैं और कुपोषण से जूझ रहे हैं। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थों में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता ग़रीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

तालिबान का स्वागत: आतंक से लड़ाई में आत्मघाती गोल तो सिद्ध नहीं होगा?

राजीव खंडेलवाल
सलाहकार एवं पूर्व बैतूल नगर सुधार न्यास अध्यक्ष

अफगानिस्तान, जहां तालिबान का शासन है, के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारत यात्रा पर स्वागत किए जाने से देश में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ उठ खड़ी हुई हैं। सच ही कहा गया है–दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता है, किंतु राजनीति में यह सूत्र कब, कहां और किस सीमा तक लागू किया जाए–यह समझना किसी ÷रस्सी पर चलने वाले बाजीगर से कम नहीं।

राजनीति में न तो कोई स्थायी मित्र होता है, न चिरस्थायी शत्रु। आज की स्वार्थ-संचालित अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गिरगिट समान दोस्ती-दुश्मनी के रंग बदलते हैं। अमेरिका का सबसे बड़ा उदाहरण है। अंततः राष्ट्र हित ही सर्वोपरि होता है। जैसे ट्रंप ने अमेरिका फर्स्ट की नीति अपनाई, वैसे ही मोदी की भारत फर्स्ट नीति भी समय की मांग है। प्रश्न यह है कि–क्या इस नीति के तहत ही भारत तालिबान से रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है?

तालिबान क्या है?: तालिबान एक इस्लामी कट्टरपंथी संगठन है, जो 1994 में अफगानिस्तान में उभरा। इसका गठन मुल्ला मोहम्मद उमर ने किया था। तालिबान शब्द पश्तो भाषा में छात्र के लिए प्रयुक्त होता है क्योंकि इसके अधिकांश सदस्य धार्मिक मदरसों से शिक्षित थे। इस संगठन ने अफगानिस्तान में शरिया कानून के कठोरतम रूप को लागू किया। 1996 से 2001 तक इसका शासन रहा जिसे अमेरिकी हमले के बाद सत्ता से हटाया गया। किंतु वर्ष 2021 में अमेरिका की वापसी के साथ ही तालिबान ने काबुल पर पुनः कब्जा कर लिया। तालिबान का लक्ष्य अफगानिस्तान में इस्लामी शरिया आधारित सरकार स्थापित करना है। महिलाओं और अल्पसंख्यकों के प्रति इनका रवैया असहिष्णु और अमानवीय रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संगठन आतंकवाद, उग्रवाद और मानवाधिकार उल्लंघन का पर्याय बन चुका है।

भारत की बदलती नीति?: यह वही तालिबान है जिसके संबंध में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में अमेरिका दौरे के दौरान दो-टूक कहा था–गुड तालिबान और बैड तालिबान जैसी कोई चीज नहीं होती- अच्छा आतंकवाद-बुरा आतंकवाद नहीं चलेगा। आतंकवाद, आतंकवाद होता है। वह तालिबान जिसने कंधार विमान अपहरण (1999) में आईएसआई को सुविधा और सुरक्षा दी थी। परिणामस्वरूप भारत को बंधकों के बदले मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादी को रिहा करना पड़ा। यही मसूद अजहर बाद में मुंबई आतंकी हमले और पहलगाम नरसंहार जैसी घटनाओं के पीछे मुख्य सूत्रधार रहा। आज वही तालिबान पाकिस्तान की नकेल कसने लगा है। यह वही संगठन है, जिसे कभी पाकिस्तान ने पाल-पोसकर बड़ा किया था–साँप को दूध पिलाने की कहावत चरितार्थ करते हुए। पर अब वही सांप अपने पालक को डसने पर आमादा है।

भारत के लिए यह स्थिति एक तीर से दो निशाने साधने जैसी प्रतीत हो सकती है। पाकिस्तान को कमजोर करने और अफगानिस्तान में रणनीतिक उपस्थिति बढ़ाने की दृष्टि से। वैसे तालिबान जैसे कट्टर मुस्लिम संगठन शासक देश द्वारा भारत की स्वीकारिता निश्चित रूप से भारत को दूसरे मुस्लिम देशों में अपनी बढ़त बनाने में सहायक सिद्ध हो सकती है। यह भी एक दूरदृष्टि अफगान नीति के संबंध में हो सकती है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब पाकिस्तान गिड़गिड़ाते हुए युद्ध विराम की गुहार लगा रहा था, तब भारत ने मसूद अजहर की वापसी की शर्त रखकर अपनी पुरानी भूल सुधारने का अवसर खो दिया। ठीक वही भूल जो 1971 में श्रीमती इंदिरा गांधी ने की थी, जब 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण के बावजूद भारत के 54 सैनिकों की रिहाई का मुद्दा ठंडे बस्ते में चला गया, जिनका आज तक कोई सुराग नहीं।

तालिबान को मान्यता कब?: भारत ने अब तक तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता नहीं दी है। 1996 के शासनकाल में भी केवल पाकिस्तान सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने इसे मान्यता दी थी। फिर सवाल उठता है कि आज भारत को अपनी अफगान नीति में बदलाव की आवश्यकता क्यों पड़ी क्या यह बदलाव केवल व्यवहारिकता के नाम पर है, या इसके पीछे छिपा हुआ रणनीतिक एजेंडा भी है क्योंकि मुत्तकी ने स्वयं दावा किया कि भारत ने तालिबान को अपेक्षा से अधिक तवज्जो दी। भारत की ओर से महिला अधिकारों पर तालिबान की नीति को लेकर कोई ठोस दबाव नहीं डाला जा सका। प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को बाहर रखना इसका जीता-जागता उदाहरण है। यद्यपि अगले दिन उन्हें बुलाकर गलती सुधारने का आडंबरपूर्ण प्रयास जरूर किया गया।

झंडे पर अनावश्यक विवाद?: तालिबान शासन में फहराया जाने वाला झंडा अफगानिस्तान के पूर्व झंडे से पूरी तरह भिन्न है। भारत में मुत्तकी की यात्रा के दौरान तालिबानी झंडे के प्रदर्शन पर अनावश्यक विवाद खड़ा कर दिया गया। सरकार का तर्क था कि यह केवल कूटनीतिक शिष्टाचार (डिप्लोमैटिक प्रोटोकॉल) का हिस्सा है न कि औपचारिक मान्यता का प्रतीक। चूंकि अफगानिस्तान की कोई वैकल्पिक निर्वासित सरकार नहीं है, अतः कूटनीतिक मर्यादा निभाना ही एकमात्र विकल्प था। विदेश मंत्री जयशंकर ने भी स्पष्ट किया कि हमारी नीति औपचारिक मान्यता पर नहीं, बल्कि व्यवहारिक सहयोग पर आधारित है। कहावत है–साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे। यही संतुलन भारत को साधना है। पाकिस्तान को घेरने की रणनीति में तालिबान से समीकरण बनाना यदि आवश्यक है तो यह सावधानी की सुई की नोक पर नृत्य करने जैसा है। अतः सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

सुविचार

इतिहास लिखने के लिए कलम नहीं, हौसलों की जरूरत होती है।

-अज्ञात

निशाना

सब त्रस्त हैं वो व्यस्त है..!

-डॉ.रामकुमार चतुर्वेदी

वो व्यस्त हैं, अपने में मस्त हैं।
फाईलें बिखरी, पेपर अस्त व्यस्त हैं। वो व्यस्त हैं।।
ढूंढ रहे हैं, कब दिये थे।
देख रहे हैं, रिसीव लिये थे।
चस्पा नस्त हैं। वो व्यस्त हैं।।
कुछ लाये, क्या है बताओ।
क्या इतने में, कुछ और लगाओ।
और लगानें में, वे मदमस्त हैं।
वे व्यस्त हैं।।
अभी जाओ, कल को आना।
सुबह नहीं तुम, शाम को आना।
हालत पतली, हाल खस्त है।
वो व्यस्त है।।
जवाब भेज दिये, जवाब आयेगा।
आपत्ति तो है, पर हो जायेगा।
जोर लगाने में, सिद्धहस्त हैं।
वे व्यस्त है।।
कमी कुछ पर है, कुछ पर नहीं।
पूरा कर दो, अभी के अभी यहीं।
सब त्रस्त हैं, वो व्यस्त है।

डॉक्टर्स टिप

तेजी से टूटते नाखून, लहसुन की 2-3 कलियों से आ जाएगी मजबूती

लड़कियां अपने हाथों की शोभा बढ़ाने के लिए अपने नाखूनों को बढ़ाने का काम करती हैं। अब ये सच है कि बढ़े हुए नाखूनों को स्कूल में बुरी आदतों काउंट किया जाता था। मगर बड़े होते-होते कई चीजें, बातें और देखा जाए तो इंसान भी बदल जाते हैं। खैर, ये आदत सेहत के लिहाज से बुरी है, लेकिन अगर आप नाखूनों को बढ़ा रही हैं, तो आपको इनकी साफ-सफाई पर बहुत ज्यादा ध्यान देना चाहिए। इस तरह सेहत के बिगड़ने के चांस थोड़े कम हो जाएंगे।

ज्यादातर महिलाओं के नाखून थोड़ा सा बढ़ने के बाद ही टूट जाते हैं। जी हां, नाखून एक ऐसी चीज हैं, जो दिखने में बहुत मजबूत होते हैं। मगर असल में ये बेहद पतले होते हैं, जिन्हें छूने मात्र से सफेद रंग की दरार दिखने लगती है। अगर आप इस तरह की समस्या का सामना कर रही हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

मशहूर डॉक्टर उपासना वोहरा ने अपनी इंस्टाग्राम वीडियो में नुस्खा बताया है जो पूरी तरह से आयुर्वेदिक है। डॉक्टर उपासनाके अनुसार अगर आप लगातार 10 दिन तक इस नुस्खे का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको 11वें दिन से नाखूनों में असर दिखना शुरू हो जाएगा। ये आसान नुस्खा आपके नाखूनों को मजबूती देने का काम करेगा और इन्हें लंबा बनाने में भी मददगार साबित होगा। इसके लिए आपको सिर्फ 2 चीजों जरूरत पड़ेगी। इसमें पहली चीज लहसुन है और दूसरी चीज कैस्टर ऑयल यानी अरंडी का तेल है। इस नुस्खे को बनाने के लिए आपको लहसुन की कलियों को छीलकर, हल्का सा रोस्ट कर लेना है। अब इसे पिचका कर पेस्ट बना लें और इसमें कैस्टर ऑयल मिलाएं। आपको इस कॉम्बिनेशन को 15 से 20 मिनट के लिए अपने नाखूनों पर लगाना है। इसके बाद हाथों को धो लें। आइए अब इन दोनों चीजों से होने वाले लाभों के बारे में जान लेते हैं।

लहसुन नाखूनों के लिए फायदेमंद: बता दें कि लहसुन में एक एलिसिन नाम का नेचुरल तत्व होता है। ये एक शक्तिशाली एंटी-फंगल और एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज की तरह काम करता है। यही कारण है कि लहसुन नाखूनों में होने वाले फंगल इंफेक्शन से लड़ने में मदद करता है। इससे नाखून कमजोर और सड़ते नहीं हैं।

कैस्टर ऑयल में रिसिनोलिक एसिड होता है, जो बेहतरीन मॉइस्चराइजर की तरह काम करता है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज होती हैं, जिससे नाखूनों को जरूरी पोषण मिलता है। इसके साथ ही, नाखूनों को जड़ों से मजबूती मिलती है। आइए अब डॉक्टर के बताए कुछ अन्य फायदों के बारे में जान लेते हैं।

पेरेंटिंग टिप्स

टीनएज में बच्चों को मिली कुछ सीख, बुरी संगत और रास्ता भटकने से बचाएगी

यूं तो माता-पिड़ता के लिए परवरिश का कोई भी दौर आसान नहीं होता, लेकिन फिर भी टीनएज को सबसे मुश्किल पड़ाव माना जाता है। इस उम्र में बच्चों को संभालना माता-पिता के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। क्योंकि यही वह समय होता है जब बच्चे धीरे-धीरे बड़े हो रहे होते हैं, अपनी पहचान बनाने की कोशिश करते हैं और अपनी मर्जी से जीने की आजादी चाहते हैं। ऐसे में पेरेंट्स के मन में अक्सर यह डर रहता है कि कहीं उनका बच्चा इस नाजुक दौर में गलत रास्ते पर न चल पड़े। हालांकि, इसी मुद्दे पर पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा ने हाल ही में एक वीडियो के जरिए तीन अहम बातें बताई, जिन्हें अगर माता-पिता इस उम्र में बच्चों को सिखाएं, तो वे भटकने से बच सकते हैं।

इंस्टाग्राम वीडियो में एनएलपी प्रैक्टिशनर पुष्पा शर्मा कहती हैं कि अगर 15 से 18 साल के बच्चों को ये तीन बातें समझा दी जाएं, तो वे कभी भी अपना रास्ता नहीं भटकेगे। इसीलिए पेरेंट्स इस बात को समझें। कोच कहती हैं कि दूसरी बात जो पेरेंट्स को अपने इस उम्र के बच्चों को सिखानी चाहिए, वह यह है कि आपके दोस्त आपकी ग्रोथ में मददगार भी हो सकते हैं और कभी-कभी बाधा भी बन सकते हैं। इसलिए दोस्तों का चुनाव बहुत समझदारी से करें। कोच कहती हैं की सबसे पहले, बच्चे को यह समझाएं कि उनकी पूरी जिंदगी उनके सामने है, और यह जिंदगी बहुत शानदार हो सकती है। इसके लिए उन्हें बस सही दिशा में मेहनत करनी होगी और धैर्य के साथ परिणाम का इंतजार करना होगा। एक्सपर्ट कहती हैं कि तीसरी अहम बात यह है कि जिस व्यक्ति पर आप सबसे ज्यादा भरोसा कर सकते हैं, वह है आपकी मां। उनसे हर बात शेयर करें, चाहे वह कोई भी बात क्यों न हो।

अनुशासन जिंदगी में जरूरी है: पुष्पा शर्मा कहती हैं कि साथ ही, इस उम्र के बच्चों को यह भी सिखाएं कि सेल्फ डिसिप्लिन जिंदगी में बेहद जरूरी है। यही वह चीज है जिससे आप वह सब हासिल कर सकते हैं, जो आप चाहते हैं। इसीलिए अनुशासन में रहें।

हेल्थ अपडेट

कड़वे मेथी के दानों में छिपा हैं सेहत का खजाना, पेट के लिए वरदान

मेथी आपके किचन में मौजूद सबसे अधिक शक्तिशाली मसालों में से एक है, जिनका सदियों से कई बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल किया जा रहा है। औषधीय गुणों और पोषक तत्वों से भरपूर ये छोटे-छोटे बीज कई समस्याओं के लिए तो दवाओं से भी बेहतर असर दिखाना जानते हैं। मेथी के बीज में कोलीन, इनोसिटोल, बायोटिन, विटामिन ए, बी, और डी, फाइबर, आयरन और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसके सेवन से आप ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने, कोलेस्ट्रॉल को घटाने, पाचन को सुधारने, वेट मेंटेन करने और दर्द व सूजन जैसी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। पीरियड्स के दर्द और ऐंठन से आराम पाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। सीधे-सीधे बोला जाए तो मेथी के बीज आपकी कई प्रकार की समस्याओं का इलाज बन सकते हैं। हार्वर्ड ट्रेन्ड गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने अपनी एक पोस्ट में मेथी के फायदों के बारे में जानकारी दी है, जिन्हें पाने के लिए आप इन्हें अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

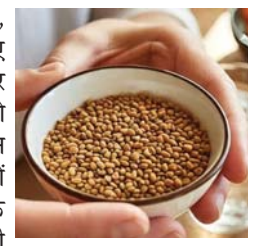

मेथी के फायदे: आज के समय में एक बार फिर से लोग देसी उपाय खूब आजमाना पसंद कर रहे हैं क्योंकि ये बिना किसी साइड इफेक्ट्स के अपना असर दिखाने के लिए जाने जाते हैं। मेथीदाना एक ऐसा मसाला है जो भारतीय रसोई में खाना पकाने में इस्तेमाल होता है और कई सारे घरेलू उपायों में भी। आप इसकी मदद से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं। साथ ही कई बीमारियों के जोखिम को कम करके हेल्दी लाइफ जी सकते हैं।

महिलाओं के लिए फायदेमंद: अगर आप एक महिला हैं तो मेथी के बीजों का सेवन आपको कई तरह के लाभ दे सकता है। मेथी पीसीओएस में सहायक है क्योंकि यह हार्मोनल संतुलन और मासिक धर्म को नियमित करने में मदद करती है। इसके अलावा महिलाओं में मिल्क प्रोडक्शन को बढ़ावा देती है। साथ ही साथ पेरिमेनोपॉजल डिप्रेशन को कम करने और मेनोपॉज के लक्षणों को सुधारने में भी मददगार है। इन सभी लाभों के लिए महिलाएं इसे अपनी डाइट में एड कर सकती हैं।

पुरुषों में बढ़ाता है टेस्टोस्टेरोन: मेथी के बीज पुरुषों के लिए भी कम लाभदायक नहीं हैं। इन औषधीय बीजों का इस्तेमाल पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाने के लिए किया जाता है। यह एक मुख्य मेल हार्मोन है, जो यह पुरुषों की ताकत, शारीरिक विकास और शारीरिक बनावट के लिए महत्वपूर्ण होता है। यह महिलाओं में भी मौजूद होता है, लेकिन स्वाभाविक रूप से पुरुषों में इसका स्तर अधिक होता है। इसके अलावा मेथी के बीज वेट लॉस में भी मदद करते हैं। जी हां, अगर आप मेथी का सेवन करते हैं तो इनमें मौजूद फाइबर और प्रोटीन भूख को दबाने में मदद करते हैं, जिससे आप कम कैलोरी कंज्युम करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। अगर आप वेट लॉस जर्नी पर हैं तो आपको इन बीजों को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए।

मंडीदीप कारखानों के प्रदूषण ने छीनी बच्चों की दिवाली, 7वें वर्ष बिना पटाखों के मनाएंगे त्योहार

औद्योगिक क्षेत्र में जिला प्रशासन ने पटाखे बेचने और चलाने पर लगाया प्रतिबंध

अजय आहूजा, मंडीदीप

औद्योगिक नगरी मंडीदीप में कारखानों के घातक प्रदूषण ने एक बार फिर दिवाली की चमक फीकी कर दी है। लगातार सातवें वर्ष शहरवासी बिना पटाखों के त्योहार मनाने को मजबूर हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के सख्त आदेशों के चलते जिला प्रशासन ने मंडीदीप में दिवाली पर पटाखों की बिक्री और चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि रात 8 से 10 बजे तक केवल ग्रीन पटाखों को चलाने की सीमित अनुमति दी गई है, लेकिन इससे बच्चों और बड़ों में गहरी मायूसी छाई हुई है। स्थानीय निवासी सत्य प्रकाश मिश्रा ने दोपहर मेट्रो को बताया कि मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पिछले सात सालों में कारखानों का प्रदूषण कम करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है। नतीजा यह कि इसका हर्जाना हर साल दिवाली पर पूरे शहर को भुगतना पड़ रहा है। बच्चे पटाखों की चमक-दमक के बिना उदास हैं, जबकि हवा पहले से ही जहर बन चुकी है।

कारखानों से निकलती है जहरीली धुंध

मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में सैकड़ों कारखाने धुआं उगल रहे हैं, जिससे हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 का स्तर खतरे के पार पहुंच गया है। पीसीबी की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वर्ष दिवाली के दौरान एयर क्वालिटी इंडेक्स 350 से ऊपर पहुंचा था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद कारखानों का प्रदूषण 80 प्रतिशत जिम्मेदार है।

दो घंटे चलाए जा सकेंगे ग्रीन पटाखे

सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन के तहत मंडीदीप क्षेत्र में पटाखों पर प्रतिबंध है, केवल दिवाली पर दो घंटे ग्रीन पटाखे चलाये जा सकेंगे।
-के एन कटारे,
क्षेत्रीय अधिकारी पीसीबी

शहरवासी अब पीसीबी और सरकार से मांग कर रहे हैं कि कारखानों पर ठोस कार्रवाई हो, ताकि अगली दिवाली पटाखों की रोशनी से जगमगा सके।
-छोटू मारण,
युवा सामाजिक कार्यकर्त्ता

लग्जरी कार से कर रहे थे शराब की तस्करी, दो लोगों को पुलिस ने दबोचा

कटनी, दोपहर मेट्रो

बड़वारा पुलिस ने लग्जरी फोर्ड एंडेवर कार का उपयोग कर अवैध शराब की तस्करी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से करीब 95 हजार रुपए मूल्य की अवैध शराब और तस्करी में प्रयुक्त कार जब्त की है। बड़वारा थाना प्रभारी के.के. पटेल ने बताया कि पुलिस दल इलाके में गश्त कर रहा था। इसी दौरान

ग्राम पथवारी में रेलवे अंडर ब्रिज के पास मेन रोड पर एक काले रंग की फोर्ड एंडेवर कार को रोका गया। कार में दो व्यक्ति सवार थे। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम रवि सिंह (निवासी कटनी) बताया। बगल में बैठे व्यक्ति की पहचान आनंद राम उर्फ सोनी कुशवाहा (निवासी कटनी) के रूप में हुई।बड़वारा पुलिस ने दोनों आरोपियों रवि सिंह और आनंद राम उर्फ सोनी कुशवाहा के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है। दोनों आरोपियों को कटनी कोर्ट में पेश किया गया है।

बैठक में कलेक्टर को बताईं समस्याएं

रबी सीजन में सिंचाई के लिए किसानों को 10 घंटे बिजली और मुआवजा मिले

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

रेवा सभाकक्ष में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल की बैठक कलेक्टर सोनिया मीना की मौजूदगी में हुई। बैठक में जिले के कृषि, सिंचाई, विद्युत, सहकारिता सहित सभी किसान हितैषी विभागों के अधिकारी भी शामिल हुए। संघ के संभागीय प्रचार-प्रसार प्रमुख उदयकुमार पांडेय ने बताया कि यह बैठक हाल ही में हुए किसान आंदोलन के बाद प्रशासन के साथ पहली संयुक्त चर्चा थी। इसमें पूर्व में सौंपे गए ज्ञापनों के बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों से जवाब मांगा गया। संघ के प्रांत अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान विशेष रूप से उपस्थित रहे। जिला मंत्री शंकरसिंह पटेल ने कहा कि जिले में खाद की स्थिति अब भी ठीक नहीं है। पदाधिकारियों ने रबी सीजन में किसानों को 10 घंटे सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली देने, ट्रांसफार्मर बदलने, सोयाबीन फसल का बीमा कंपनियों से तत्काल सर्वे कराने की मांग की। सिंचाई विभाग से मांग की कि 1 नवंबर से सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जाए। पानी छोड़ने से पहले सभी माइनरों की सफाई कराई जाए। कलेक्टर सोनिया मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद वितरण, बिजली आपूर्ति, नहरों की सफाई और फसल नुकसान के सर्वे की कार्यवाही जल्द पूरी की जाए।

बैठक में अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडेय, डीडीए जेआर हेडाऊ, संघ के संभागीय मंत्री देवेन्द्र पटेल, प्रचार-प्रसार प्रमुख उदय पांडेय,जिला मंत्री शंकरसिंह पटेल, सहमंत्री रजत दुबे, संभागीय मंगलसिंह प्रवक्ता शिवमोहन सिंह, राजपूत, ब्रजेश लखनलाल चौधरी, राजपूत, गुलाब लौवंशी, राजकुमार राजपूत, सूर्यांश रघुवंशी, श्यामशरण तिवारी, राजेश दीवान, गोपाल मीणा, इंद्रपुरी गोस्वामी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नपाध्यक्ष ने किया बेतवा घाट का निरीक्षण

गंजबासौदा। कार्तिक माह में स्नान के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बेतवा रिपटा घाट पर मौजूद व्यवस्थाओं का नपाध्यक्ष ने घाटों का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने नपा कर्मियों को निर्देशित करते हुए वहां पर लोहे का अस्थायी चेंजिंग रूम भी रखवाया। बेतवा के इस रिपटा घाट पर सुबह से ही सैकड़ो श्रद्धालु जिनमें महिला एवं पुरुष दोनों ही शामिल है वह कार्तिक स्नान के लिए जा रहे हैं। वहीं कार्तिक पूर्णिमा पर बेतवा घाट पर मेले का आयोजन भी होता हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई असुविधा न उठाने पड़े इसलिए नपा अध्यक्ष शशि यादव अधिकारी कर्मचारियों के साथ बेतवा के रिपटा घाट पर पहुंची। उन्होंने नपा की सफाई कामगारों से भी रिपटाघाट की प्रतिदिन सफाई करने को कहा। साथ ही उन्होंने बेतवा मैया को दीपदान करते हुए क्षेत्र के कुशल मंगल की कामना की। इस मौके पर उनके साथ वरुणेंद्र चौबे, मुन्ना महाराज, मयंक टॉक के अलावा अन्य नपा कर्मी मौजूद रहे।

छत से गिरा मजदूर, घायल

पांढुर्णा। सारणी स्थित सतपुड़ा थर्मल पावर स्टेशन में काम के दौरान एक मजदूर छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा पुराने कोल हैंडलिंग प्लांट को हटाने (डिस्मेंटलिंग) के काम के दौरान हुआ। जानकारी के अनुसार पावर प्लांट में 660 मेगावाट की नई इकाई स्थापित करने के लिए पुराने कोल हैंडलिंग प्लांट को हटाने का काम चल रहा है। इसका ठेका मुंबई की एक निजी कंपनी को दिया गया है। घायल मजदूर दुर्गेश के हाथ और पैर में फ्रैक्चर आया है, उसे बैतूल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

जिले में जोरों पर चल रहा रेत का अवैध कारोबार, प्रशासन सख्त

अभियान चलाकर कई वाहन और नावें जब्त की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कई वाहन जब्त किए गए हैं। हाल ही में की गई कार्रवाइयों में कुल 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली, 2 लोडर, 1 डम्पर और 11 मोटरबोट (नाव) जब्त की गई हैं। 8 अक्टूबर को ग्राम जैतवारा बारछी (तहसील बनखेड़ी) से स्वराज-744 ट्रैक्टर-ट्रॉली बिना नंबर रेत के अवैध उत्खनन में पकड़ी गई। 12 अक्टूबर को ग्राम आंचलखेड़ा (तहसील माखननगर) स्थित तवा पुल के पास से 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 2 लोडर तथा ग्राम बांद्राभान से 1 डम्पर मिट्टी खनिज के अवैध उत्खनन में जब्त किया गया। इसके अलावा 13 अक्टूबर को ग्राम करपा से 1 सोनालिका ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा 14 अक्टूबर को ग्राम बाबरी एवं डिमावर (तहसील सिवनीमालवा) से

11 मोटरबोट्स को जब्त किया गया।

इन सभी वाहनों को संबंधित थाना क्षेत्रों और आरटीओ कार्यालय की अभिरक्षा में रखा गया है। कार्रवाई के दौरान जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम, खनि निरीक्षक पिंकी चौहान, प्र. खनि निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते, तथा हेमन्त राज सिपाही एवं होमगार्ड बल मौजूद रहे।जप्त किए गए वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।

बांद्राभान मेला 3 से 6 नवंबर तक, तैयारियों को लेकर बैठक आज

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले का प्रसिद्ध बांद्राभान मेला इस वर्ष 3 नवम्बर से 6 नवम्बर 2025 तक पारंपरिक रूप से नर्मदा और तवा नदी के संगम स्थल पर आयोजित किया जाएगा। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह धार्मिक और सांस्कृतिक मेला क्षेत्र के प्रमुख आयोजनों में से एक है। मेला के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर आज जिला पंचायत सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत नर्मदापुरम के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन करेंगे। बैठक में विभागीय अधिकारियों और संबंधित समिति के सदस्यों से मेला की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात एवं अन्य सुविधा संबंधी बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

वोकल फॉर लोकल के लिए की अपील

मंडला। मंडला में दीपावली से पहले कलेक्टर सोमेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा ने नगर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने वोकल फॉर लोकल अभियान को बढ़ावा देते हुए स्थानीय कारीगरों से मिट्टी और गोबर के दीये खरीदे। अधिकारियों ने स्वयं सहायता समूहों के बनाए गए गोबर के दीये और आदिवासी गोंडी कला से सजे मिट्टी के दीये खरीदे। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि वे दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों को अपनाएं और स्थानीय कारीगरों का समर्थन करें।

मेट्रो एंकर | नर्मदापुरम के रेस्ट हाउस में प्रशासन द्वारा आयोजित किया गया दीपावली मिलन समारोह

पत्रकार समाज का दर्पण हैं, संवाद से समन्वय बढ़ता है: कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संवाद से समन्वय बढ़ता है जिससे प्रशासन को जमीनी स्तर की कमियों की जानकारी मिलती है पत्रकार समाज का दर्पण है और उनके योगदान से जिले की व्यवस्थाएं अधिक सुदृढ़ बनती है। उक्त बात जिले की कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में कही। नर्मदापुरम के रेस्ट हाउस में प्रशासन द्वारा आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बड़ी संख्या में मौजूद थे। इस अवसर कलेक्टर ने सभी पत्रकारों को धनतेरस और दीपावली की शुभकामनाएं दी एवं उनसे आत्मीय चर्चा की।

समारोह में पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा, जिला पंचायत के सीईओ हिमांशु जैन, और अपर कलेक्टर राजीव रंजन पांडे सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सोनिया मीना ने कहा कि दीपावली मिलन जैसे आयोजन प्रशासन और मीडिया के बीच सकारात्मक संवाद का सेतु बनाते हैं। उन्होंने आधुनिक पत्रकारिता पर चर्चा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने समाचार जगत का स्वरूप बदल दिया है। करेक्टिव तंत्र के चलते फेक न्यूज पर काफी हद तक नियंत्रण हुआ है जिसमें पत्रकारिता की भूमिका सराहनीय रही है। कलेक्टर ने नरवाई प्रबंधन को जिला प्रशासन की प्राथमिकता बताया और कहा कि इस विषय में जनजागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाना पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है।

नर्मदापुरम पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

कलेक्टर ने बताया कि नर्मदापुरम जिला मेलों का क्षेत्र है, जहां प्रशासनिक टीम के संयुक्त प्रयासों से सभी आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं। उन्होंने राजस्व विभाग की सतत सक्रियता की भी सराहना की। उन्होंने जिले की पर्यटन संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि नर्मदा नदी के तट पर स्थित नर्मदापुरम प्रदेश ही नहीं देशभर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न परियोजनाएँ संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पचमढ़ी और मढ़ई क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हैं, और राज्य शासन इनके विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। समारोह में मौजूद एसपी साईं कृष्णा एस थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन ने भी पत्रकारों से संवाद किया।

शौर्या ने ताइक्वांडो में जीता सिल्वर मेडल

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

विगत दिनों सागर में आयोजित हुई 37वीं जूनियर बालक बालिका ताइक्वांडो प्रतियोगिता में बासौदा ताइक्वांडो क्लब की होनहार खिलाड़ी शौर्या जैन पुत्री रवीन्द्र कुमार जैन ने अंडर 68 किलोग्राम वेट कैटेगरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किया है शौर्या भारत माता कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 9वीं की छात्रा हैं उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय बासौदा ताइक्वांडो क्लब के संचालक हेमंत कुमार विश्वकर्मा को दिया है जिनके मार्गदर्शन में उन्होंने खेल की बारीकियां को सीखा है। पूर्व में भी शौर्या ने 69वीं शालेय खेल प्रतियोगिता 2025 में राज्य स्तर पर कांस्य पदक हासिल किया था। उनकी उपलब्धि पर अतुल कुमार विश्वकर्मा, यशराज राठौर, मोहित सूर्यवंशी सहित क्लब के सदस्यों इष्ट मित्रों एवं परिवारजनों ने बधाई दी हैं।

सज गए बाजार

वोकल फॉर लोकल के लिए ऑफलाइन खरीदी पर जोर

छतरपुर, दोपहर मेट्रो

दीवाली को लेकर बाजार गुलजार हो चुका है। शहर में रंग-बिरंगी लाइट, पटाखे और मिट्टी की प्रतिमाओं की दुकानें सजी हुई हैं। बाजार में मिट्टी के बने दीयों को भी नया रूप देकर सजाया गया है। इस साल बाजार में मिट्टी के दिए और प्रतिमाओं की दुकानों की संख्या बढ़ रही है। शहर के छत्रसाल चौराहे के आसपास लगी दुकानों पर दीयों की हर वैरायटी मौजूद है। 50 से लेकर 100 रुपए प्रति सैकड़ा के हिसाब से दुकानदार दिए बेच रहे हैं। डिजाइनर दीयों की कीमत 10 से 15 रुपए प्रति दीया रखी गई है। आम लोगों ने दीवाली की तैयारियां तेज कर दी हैं। दुकानदार नंदी प्रजापति ने बताया कि पहले की तुलना में दिए बनाने की लागत बढ़ गई है, लेकिन लोग पुराने दाम पर ही दिए सहित अन्य सामग्री की मांग कर रहे हैं, जिस कारण सिर्फ लागत निकलने की उम्मीद ही रहती है। नंदी प्रजापति ने बताया कि उन्होंने दिए बनाकर बेचने का काम करीब 3 दशक से किया है। पहले मिट्टी और अन्य सामग्री कम कीमत पर उपलब्ध होती थी, जिससे वे ठीक-ठाक कमाई कर लेते थे, लेकिन अब महंगाई बढने के कारण पहले जितना मुनाफा नहीं होता। एक अन्य महिला दुकानदार रामबाई ने बताया कि उन्होंने दिए की कीमत 100 रुपए प्रति सैकड़ा रखी है, लेकिन लोग मोलभाव कर 50 से 70 रुपए प्रति सैकड़ा ही खरीद रहे हैं।

मालथोन थाना क्षेत्र के नीमखेड़ा गांव की घटना

पत्नी से संबंध के शक में चचेरे भाई को मारी गोली, सिर काटकर किया अलग

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। देर रात एक 28 वर्षीय व्यक्ति पर हमला किया गया। गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई और फिर उसका सिर धड़ से अलग कर दिया गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

दरअसल, पूरा मामला बीना तहसील के मालथोन थाना अंतर्गत नीमखेड़ा गांव का है। मृतक की पहचान उसी गांव के निवासी शुभम दांगी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार शुभम की हत्या उसके चचेरे भाई सुरेंद्र सिंह दांगी (45) ने की थी। सुरेंद्र को शक था कि उसकी पत्नी और शुभम का अवैध संबंध है। इसी शक के चलते सुरेंद्र ने अपने दो बेटों, एक महिला और एक अन्य पुरुष के साथ मिलकर शुभम के घर पहुंचा और उस पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने पहले शुभम को लाठी-डंडों से पीटा और फिर सुरेंद्र ने उसे गोली मार दी। उसके जमीन पर गिरने के बाद भी हमलावरों ने एक धारदार हथियार से उसका सिर धड़ से अलग कर दिया, जिससे शव घटनास्थल पर ही क्षत-विक्षत हो गया। नीमखेड़ा के बाहरी इलाके में खून से लथपथ शव पड़ा देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि हमले के दौरान शुभम का भाई रणवीर दांगी उसे बचाने के लिए मौके पर पहुंचा। लेकिन आरोपी ने रणवीर पर भी गोलियां चलाईं और एक गोली उसके पेट में जा लगी। उसे गंभीर हालत में पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में एक उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने दर्ज किया हत्या का मामला

वरिष्ठ अधिकारी पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। शुभम के शव को कड़ी सुरक्षा में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सुरेंद्र सिंह दांगी और चार अन्य के खिलाफ संबंधित धाराओं में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने पारिवारिक विवाद के चलते अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी। हमने हत्या और अवैध हथियारों के इस्तेमाल का मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीमें भेजी गई हैं।

शक खुलेआम दुश्मनी में बदली

जांचकर्ताओं ने बताया कि हत्या का मकसद अवैध संबंध का शक था। सुरेंद्र सिंह ने अगस्त में अपनी पत्नी की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी और बाद में उसे शक हुआ कि उसका शुभम के साथ संबंध है। यह शक खुलेआम दुश्मनी में बदल गया और हत्या में परिणत हुआ। पुलिस ने गांव के कुछ हिस्सों को सील कर दिया है और घटनास्थल से फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। फोरेंसिक टीमों ने जांच के तहत खून के नमूने और खाली कारतूस एकत्र किए।

अतिक्रमण को लेकर हुआ विवाद

देवास। नगर के जमनानगर में अतिक्रमण को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक ने बीएनपी थाने के सामने सड़क पर लेटकर हंगामा किया। युवक का नाम विमल गोस्वामी है। उसका आरोप है कि उसे दूसरे पक्ष के लोग थाने में भी धमका रहे थे और जान से मारने की धमकी दे रहे थे। जानकारी के अनुसार, जमनानगर के तुलजाविहार क्षेत्र में सड़क किनारे बने एक पेड़ के चबूतरे (ओटले) को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्ष बीएनपी थाने शिकायत दर्ज कराने पहुंचे। इस दौरान विमल अचानक थाने से बाहर निकलकर सड़क पर लेट गया और हंगामा करने लगा। बाद में परिजनों ने उसे समझाकर शांत कराया।हंगामा करने वाले युवक की शिकायत पहले से दर्ज है। फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच की जा रही है।

नकली 'राजश्री गुटखा' फैक्ट्री पर रेड, सामान जब्त

अशोकनगर। शहर में असली के नाम पर नकली गुटखा पाउच का कारोबार चल रहा था। पुलिस ने दबिश दी तो 200 पैकेट पैक गुटखा पाउच, पैकिंग करने वाली मशीन मिली है। जिसे जब्त कर लिया गया है। जब्त सामग्री की कीमत करीब 2.90 लाख रुपए बताई गई है। अब पुलिस इस कारोबार की जांच में जुट गई है। मामला शहर के टोरिया क्षेत्र का है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक सूचना मिली तो टोरिया क्षेत्र के लालजीराम साहू के घर पर पहुंचकर तलाशी ली तो एक कमरे में पीले रंग का कट्टा रखा मिला जिस पर मनीष साहू अशोकनगर लिखा था। जब उसे खोला तो 40-40 रुपए कीमत वाले राजश्री पान मसाला के 200 पैकेट मिले, प्रत्येक पैकेट में 10 राजश्री पाउच थे। एक पैकेट की कीमत 400 रुपए दर्ज मिली। जिन्हें पान मसाला कंपनी के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर ने नकली गुटखा पाउच बताया। तलाशी लेने पर मकान के ही दूसरे कमरे में पान मसाला के आउटर कवर के 10 मंडल मिले और दो सफेद रंग के कट्टे मिले। इनमें 100-100 पैकेट तंबाकू के मिले, प्रत्येक पैकेट में 10-10 पाउच थे। गुटखा पाउच पैक करने वाली मशीन भी मिली, जिस पर गुटखा पाउच के खाली रैपर लगे हुए थे। इससे पुलिस ने सामग्री जब्त कर लालजीराम साहू के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

किसानों ने निकाली ट्रैक्टर रैली, आंदोलन की दी चेतावनी

सीहोर। सैकड़ों किसानों ने सोयाबीन फसल खराब होने और राहत न मिलने पर कलेक्ट्रेट तक ट्रैक्टर रैली निकाली। किसानों ने मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर बीमा व राहत राशि की मांग की। चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन उग्र होगा। जिले के सैकड़ों किसानों का सब्र आखिर टूट गया। अमलाहा से शुरू हुई ट्रैक्टरों की लंबी कतार जब कलेक्ट्रेट पहुंची, तो शहर में मानो किसानों का सैलाब उमड़ पड़ा। नारों और तख्तियों के बीच किसानों ने स्पष्ट कहा-अब सिर्फ वादे नहीं, हक चाहिए। किसानों का कहना था कि पांच साल से उनकी सोयाबीन फसल लगातार खराब हो रही है, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। करीब तीस किलोमीटर का सफर तय कर किसान अपने ट्रैक्टरों पर झंडे और मांगपत्र लेकर सीहोर कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस विशाल रैली का नेतृत्व किसान सोहन शंकर लाल पटेल, करणी सेना अध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुरा और समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा ने किया। रैली में शामिल किसानों ने कहा कि जब शाजापुर, भोपाल, उज्जैन, देवास, रायसेन जैसे जिलों के किसानों को राहत राशि मिल सकती है।

डिंडोरी और जबलपुर- अमरकंटक नेशनल हाइवे पर हादसा

बाइक-पिकअप में भिड़ंत में एक की मौत, दो घायल

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

डिंडोरी में जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे पर बिझोरी गांव के पास एक बाइक और पिकअप वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चालक और पिकअप वाहन के ड्राइवर की मौत हो गई, वहीं बाइक सवार एक छात्रा और एक युवक घायल हैं। हादसे में बाइक चला रहे अरविंद की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हर्रा टोला से मालवाहक लेकर आ रहे ड्राइवर सफल पर्ना पिता पन्नी लाल की भी इलाज के दौरान मौत हो गई है। छात्रा प्रियंका मरावी और सतीश परस्ते का इलाज जारी है। डिंडौरी पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। गाड़ा सरई थाना पुलिस के मुताबिक, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया।

जहरीले कफ सिरप से छिंदवाड़ा में 26वीं मौत

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले में जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। चौरई क्षेत्र की एक और मासूम, 3 साल 6 माह की अम्बिका विश्वकर्मा की नागपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मौत के साथ ही मध्य प्रदेश में सिरप कांड से मरने वाले बच्चों का आंकड़ा अब 26 पर पहुंच गया है। वर्तमान में दो और बच्चे नागपुर के अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे हैं। अम्बिका की मौत के साथ ही प्रदेश में इस जहरीले सिरप से मरने वाले बच्चों की कुल संख्या 26 हो गई है। इससे पहले परासिया के मोरडोंगरी निवासी एक वर्षीय गर्विक पवार ने भी नागपुर के मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। लगातार हो रही मौतों से जिले में हड़कंप मचा हुआ है।

बिलहरी में तेज रफ्तार अनियंत्रित कार पलटी, नशे में था चालक

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

गोराबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलहरी के पास मंडला से जबलपुर की ओर आ रही एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां देखा गया कि कुछ लोग सड़क किनारे पलटी कार से एक युवक को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस को देखकर वह युवक भागने लगा और बाद में दावा करने लगा कि कुछ अज्ञात लोग जबरन उसे कार में बैठाकर ले जा रहे थे। हालांकि, जब पुलिस ने देखा कि युवक नशे की हालत में है, तो उन्हें समझ में आ गया कि वह झूठ बोल रहा है। इसके बाद पुलिस ने कार को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी।

महेश्वर में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिठाई दुकानों और होटलों पर की कार्रवाई

दुकानों से लिए सैंपल, पांच किलो दूषित मिठाई नष्ट

खरगोन, दोपहर मेट्रो

दीपावली त्योहार के मद्देनजर मिलावटखोरी पर रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग ने महेश्वर शहर में जांच अभियान चलाया। कलेक्टर के निर्देशानुसार की गई इस कार्रवाई में शहर की विभिन्न मिठाई दुकानों और होटलों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए और दूषित मिठाई को नष्ट किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरसिंह सोलंकी के नेतृत्व में चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मौके पर जांच की गई। जांच टीम ने वैष्णवी स्वीट्स, श्री हरि होटल, होटल अर्पित, सियाराम स्वीट्स, श्री बालाजी राजस्थानी स्वीट्स एंड नमकीन तथा राज्यराजेश्वर दूध डेयरी से मावा, बर्फी, मिल्क केक, लड्डू, पेड़ा, समोसा, इमरती सहित अन्य मिठाइयों और खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। प्रयोगशाला जांच के दौरान कुछ मिठाइयों में गुणवत्ता मानकों का पालन न पाए जाने पर लगभग 5 किलो दूषित मिठाइयों का मौके पर नष्टीकरण कराया गया। विभागीय टीम ने इस दौरान व्यापारियों और आम नागरिकों को मिलावट की पहचान करने के घरेलू उपाय भी बताए तथा साफ-सफाई और गुणवत्तापूर्ण सामग्री के उपयोग पर विशेष जोर दिया। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरसिंह सोलंकी के साथ चलित खाद्य प्रयोगशाला केमिस्ट विनय साकेत भी उपस्थित रहे। दीपावली के दौरान मिठाइयों की बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे केवल स्वच्छ और प्रमाणित दुकानों से ही मिठाई एवं खाद्य सामग्री खरीदें।

मेट्रो एंकर लुटेरी दुल्हन कांड: कथित भाई के साथ लाखों रुपए नकदी और जेवर लेकर फरार

अभी थकी हूं... कहकर बिस्तर से बनाई दूरी, मौका देख भाग गई

सागर, दोपहर मेट्रो

शादी के सिर्फ दो दिन बाद ही एक लुटेरी दुल्हन ने पति और ससुराल वालों को ऐसा चूना लगाया कि सब हैरान रह गए। दुल्हन न केवल लाखों रुपए के गहने और नकदी लेकर फरार हो गई, बल्कि पति के सामने ही अपने कथित भाई के साथ भाग निकली। मामला सागर जिले के कैंट थाना क्षेत्र का है और अब पुलिस तीन लोगों की तलाश में जुटी है।

घटना की शुरुआत तब हुई जब 60 वर्षीय महिला ने अपने बेटे के लिए रिश्ता तलाशना शुरू किया। उसी दौरान एक रिश्तेदार राजू यादव ने लड़की आरती यादव का रिश्ता सुझाया। आरती अपने कथित भाई रामनाथ के साथ परिवार से मिलने आई। रिश्तेदारों ने कहा कि लड़की के घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए विवाह का सारा खर्च वर पक्ष को ही उठाना पड़ेगा। वर पक्ष ने मान लिया कि ओली फलदान की रस्म में 31 हजार नकद और चांदी की पायलें दी गईं। फिर 12 सितंबर को हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई। विवाह में 81 हजार नकद, सोने का हार, मंगलसूत्र, पायल, और कई महंगे गहने दिए गए यानी सबकुछ एकदम शाही अंदाज में हुआ। लेकिन शादी के बाद कहानी ने फिल्मी मोड़ ले लिया। दुल्हन आरती ने शादी के दो दिन तक पति से शारीरिक दूरी बनाए रखी। जब पति ने बात करने या करीब आने की कोशिश की, तो उसने थकी हूं, ठीक नहीं लग रहा जैसे बहाने बनाकर टाल दिया। फिर 14 सितंबर की रात करीब साढ़े 11 बजे आरती ने कहा कि उसका भाई रामनाथ पुलिस के हत्थे चढ़ गया है, और उसे थाने चलना होगा। पति घबराया और तुरंत उसके साथ चल पड़ा। थाने से कुछ दूर पहले ही रामनाथ बाइक पर मिलता है और कहता है कि सब ठीक है, मैं थाने से छूट आया हूं।

बनावटी भाई के साथ हुई फरार

आरती अपने पति से कहती है कि आप पैदल आइए, मैं बाइक से घर जाती हूं. बस, यहीं से सब खत्म हो गया। आरती अपने कथित भाई के साथ बाइक पर निकली और सीधे फरार हो गई। जब पति घर पहुंचा, तो न आरती थी, न उसका भाई और घर में रखे गहने व नकदी सब गायब थे। पीड़ित परिवार का कहना है कि यह एक पहले से रची गई ठगी की साजिश थी। शादी, भावनाएं, और परिवार सब कुछ सिर्फ लूट के लिए इस्तेमाल हुआ। कैंट थाना प्रभारी रोहित डोंगरे ने बताया कि आरती यादव, रामनाथ और रिश्तेदार राजू यादव के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस की टीमें उनकी तलाश में छापेमारी कर रही हैं।

बुंदेलखंड में सक्रिय है गैंग

बता दें कि बुंदेलखंड में इस तरह की 'लुटेरी दुल्हन' गैंग की घटनाएं नई नहीं हैं. पिछले कुछ वर्षों में ऐसे दर्जनों मामले सामने आए हैं, जहां लड़कियां शादी के नाम पर परिवारों को लाखों का नुकसान पहुंचा चुकी हैं

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज भोपाल

क्रमांक/478 मर्ग-26/25 दिनांक 13/10/25

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सूचक सीएमओ डॉक्टर मनोज राजे टेलीफोन अटे. एसएल वर्मा ने हमीदिया भोपाल ने जरिये टेलीफोन दिनांक 20.08.25 के करीबन 01/48 बजे सूचना दिया कि पेसेंट/मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 45 साल निवासी अज्ञात को 108 निशातपुरा इमरजेंसी टीम एम के राठौर मो. नं. 7880094731 ने अस्पताल उपचार हेतु दिनांक 10.08.25 के शाम करीबन 04/22 बजे लाया और बताया कि 108 पर इवेंट प्राप्त होने से समानांतर रोड पहुंचे जहां पर एक व्यक्ति बीमार हालत में पड़ा मिला जिसे ईलाज हेतु अस्पताल लाया जिसे इलाज हेतु इमरजेंसि मेडिसन विभाग में रेफर कर इलाज किया गया था बाद पेसेंट/मृतक को दिनांक 11/08/25 को सुबह करीबन 09/55 बजे एमआईसी फस्ट मेडिसन में रेफर कर इलाज किया जा रहा था जिसका दौरान इलाज आज दिनांक 19/08/25 के 10/30 बजे मृत्यु हो गया है। जिसका पीएमएलसी न. 5069/25 है। सूचना पर मर्ग क्र. 26/2025 धारा 194 बी.एन.एस.एस. का कायम कर जांच में लिया गया। कायमी की सूचना श्रीमान एसडीएम महोदय एवं वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई है। उक्त मृतक अज्ञात पुरूष उम्र करीबन 45 साल नि. अज्ञात के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो थाना हनुमानगंज के मोबाइल क्रमांक 7587601742 पर सूचना देने का कष्ट करें।

थाना प्रभारी

G20087/25 थाना हनुमानगंज भोपाल

बीच इंटरव्यू में रो पड़ी बांग्लादेश की स्टार खिलाड़ी मरूफा अख्तर

कपड़े नहीं थे, शादी में नहीं बुलाया जाता था

नई दिल्ली , एजेंसी

बांग्लादेश की युवा तेज गेंदबाज मरूफा अख्तर ने महिला विश्व कप में अपने पहले ही मैच में सबका ध्यान खींच लिया। 20 साल की इस तेज गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में सात ओवर में सिर्फ 31 रन देकर दो विकेट हासिल किए और पाकिस्तान को 129 रनों पर रोक दिया। उनकी शानदार गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने यह मैच सात विकेट से जीता और मरूफा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

क्रिकेट विशेषज्ञों ने की तारीफ

मरूफा की स्विंग कराने की कला ने उन्हें महिला क्रिकेट में एक उभरता हुआ सुपरस्टार बना दिया है। कई क्रिकेट विशेषज्ञ उन्हें दक्षिण एशिया की सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजी प्रतिभा मान रहे हैं, लेकिन मरूफा की यह सफलता रातोंरात नहीं आई। उनके पीछे एक ऐसी संघर्ष भरी कहानी छिपी है जो लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा बन सकती है। मरूफा ने एक इंटरव्यू में अपनी पुरानी यादें साझा करते हुए भावुक होकर कहा, लोग हमें शादी या किसी भी समारोह में नहीं बुलाते थे। कहते थे कि हमारे पास ढंग के कपड़े नहीं हैं। अगर हम जाएंगे तो उनके सम्मान को ठेस पहुंचेगी। यह कहते कहते मरूफा की आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी तो ईद पर नए कपड़े खरीदने के पैसे भी नहीं होते थे।

पिता किसान, गांव से नहीं मिला सहयोग

उन्होंने आगे बताया कि उनके पिता एक किसान हैं और घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी। मरूफा ने कहा, हमारे पास ज्यादा पैसे नहीं थे। गांव के लोग भी हमारी क्रिकेट खेलने की इच्छा को समर्थन नहीं देते थे। उन्होंने हमेशा हतोत्साहित किया। इन मुश्किल हालातों में भी मरूफा ने हार नहीं मानी और लगातार अभ्यास करती रहीं। उनका जज्बा और मेहनत उन्हें आखिरकार बांग्लादेश टीम तक ले आया।

अब परिवार की शान बनीं मरूफा

आज मरूफा अख्तर न सिर्फ अपने परिवार बल्कि पूरे देश का गौरव हैं। वह गर्व से कहती हैं, अब हम जिस स्थिति में हैं, वहां तक बहुत लोग नहीं पहुंच पाते। मैं अपने परिवार की मदद कर रही हूं। शायद बहुत से लड़के भी ऐसा नहीं कर पाते। इससे मुझे एक अलग तरह की शांति और गर्व मिलता है। वह कहती हैं, बचपन में मैं सोचती थी कि कब लोग हमें देखेंगे और हमारी तारीफ करेंगे। अब जब मैं खुद को टीवी पर देखती हूं, तो थोड़ा शर्म आती है (हंसते हुए)।

संघर्ष से सफलता तक की कहानी

मरूफा अख्तर की कहानी सिर्फ एक क्रिकेटर की सफलता की नहीं, बल्कि संघर्ष, आत्मविश्वास और परिवार के प्रति समर्पण की कहानी है। गरीबी और समाज की उपेक्षा के बावजूद उन्होंने दिखाया कि सपने देखने वाले कभी हार नहीं मानते। आज मरूफा न सिर्फ बांग्लादेश क्रिकेट की नई पहचान हैं, बल्कि उन सभी लड़कियों के लिए प्रेरणा हैं जो मुश्किल हालातों के बावजूद कुछ बड़ा करने का सपना देखती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों की घटिया चाल, एशिया कप में हाथ न मिलाने से शुरू हुआ विवाद

मार्श-मैक्सवेल-हेजलवुड ने भारत की नो हैंडशेक नीति का उड़ाया मजाक

सिडनी, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 के दौरान हाथ नहीं मिलाने की भारतीय खिलाड़ियों की नीति को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। इस बार मामला क्रिकेट मैदान से बाहर, ऑस्ट्रेलिया में सामने आया है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने भारत के इस रुख का मजाक उड़ाते हुए एक वीडियो जारी किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एशिया कप 2025 के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से मैच के बाद हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। पूरी भारतीय टीम ने भी इस निर्णय का पालन किया। भारत और पाकिस्तान जब भी तीन बार आमने-सामने आए, भारतीय खिलाड़ियों ने किसी भी तरह का हैंडशेक या अभिवादन नहीं

किया। भारत ने अंततः पाकिस्तान को हराकर एशिया कप अपने नाम किया, लेकिन खेल से ज्यादा सुर्खियां खिलाड़ियों के इस नो हैंडशेक स्टैंड ने बटोरीं।

कंगारुओं ने भारत की कमजोरी बताकर किया व्यंग्य- अब, भारत के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पहले, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने इसी घटना पर व्यंग्य किया। केयो स्पोर्ट्स नामक ऑस्ट्रेलियाई स्पोर्ट्स नेटवर्क ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो की शुरुआत में एंकर कहता है, हम सब जानते हैं कि भारत एक शानदार टीम है... लेकिन हमने उनकी एक बड़ी कमजोरी खोज ली है। इसके बाद दूसरा एंकर कहता है, हमें पता है कि उन्हें पारंपरिक अभिवादन यानी हैंडशेक ज्यादा पसंद नहीं है, तो क्यों न मैच शुरू होने से पहले ही उन्हें कंफ्यूज कर दिया जाए।

वीडियो में ऑस्ट्रेलिया के पुरुष और महिला क्रिकेटरों को दिखाया गया है जो यह चर्चा कर रहे हैं कि वे भारतीय खिलाड़ियों का अभिवादन करने के लिए कौन-कौन से अजीबो-गरीब तरीके अपनाएं। कोई हाई-फाइव दिखा रहा है, तो कोई नमस्ते की मुद्रा बना रहा है। हालांकि, कुछ खिलाड़ियों ने आपत्तिजनक इशारे किए और इस पर सब हंसते दिखाई पड़े।

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच 9 अक्टूबर से होगी वनडे सीरीज

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अक्तूबर से हो रही है। पहला वनडे पर्थ में खेला जाएगा। इसके बाद 23 अक्तूबर को एडिलेड में दूसरा वनडे और 25 अक्तूबर को सिडनी में तीसरा वनडे खेला जाएगा। इसके बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। यह मुकाबले 29 अक्तूबर, 31 अक्तूबर, दो नवंबर, छह नवंबर और आठ नवंबर को खेले जाएंगे। वनडे सीरीज से रोहित शर्मा और विराट कोहली की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होगी।

क्या टेस्ट क्रिकेट में टू-टियर सिस्टम की जरूरत है?

भारत-वेस्टइंडीज सीरीज के बाद उठने लगे हैं सवाल

नई दिल्ली , एजेंसी

अहमदाबाद के खाली स्टैंड्स अपने आप ही एक सवाल खड़ा कर देते हैं। यह नजारा किसी के लिए चौंकाने वाला नहीं था, क्योंकि वेस्टइंडीज पिछले कई वर्षों से निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। पिछले दो दशकों में भारत के खिलाफ उनका रिकॉर्ड पूरी तरह एकतरफा रहा है। 2013 के बाद से वेस्टइंडीज ने भारत में खेले गए छह टेस्ट मैचों में सभी गंवाए- चार पारी से और एक 10 विकेट से। इन छह मैचों में से पांच मुकाबले तीन दिन के भीतर ही खत्म हो गए। दिल्ली टेस्ट में भारत ने पहली पारी में उदारतापूर्वक घोषणा की और फॉलोऑन देने का निर्णय कुछ हद तक जोखिम भरा था, फिर भी वेस्टइंडीज भारतीय टीम की ताकत के सामने कहीं नहीं ठहर सकी।

रोमांचक मुकाबलों की याद-इंग्लैंड दौरा- टेस्ट क्रिकेट के शौकीनों, खासकर भारत में, के लिए यह सीरीज पिछली इंग्लैंड दौरे की तुलना में काफी फीकी रही। इंग्लैंड में खेले गए पांच टेस्ट मैचों की रोमांचक सीरीज बराबरी पर समाप्त हुई थी। लॉर्ड्स और द ओवल में आखिरी क्षणों तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं, जबकि मैनचेस्टर में दोनों टीमों ने जीत के लिए कड़ा संघर्ष किया। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान में इंग्लैंड ने 371 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को शानदार अंदाज में पूरा किया। यहां तक कि सीरीज का एकमात्र एकतरफा मुकाबला (एजबेस्टन में मेजबानों की 336 रनों से हार) भी उबाऊ नहीं था। उस मैच में हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ की आक्रामक बल्लेबाजी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और साबित किया कि जब जज्बा और इरादा हो, तो एकतरफा स्कोरलाइन भी मुकाबले के रोमांच को कम नहीं कर सकती।

रोमांचक मुकाबले अब सिर्फ चुनिंदा टीमों तक

हालांकि, ऐसे रोमांचक मुकाबले अब सिर्फ चुनिंदा टीमों तक ही सिमटकर रह गए हैं। बाकी जगहों पर टेस्ट क्रिकेट अधिकतर एकतरफा परिणामों में बदलता जा रहा है। टेस्ट क्रिकेट को फिर से प्रासंगिक और रोमांचक बनाने के उद्देश्य से वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की शुरुआत की गई थी। पिछले एक दशक में टी20 लीग्स के तेज उभार ने दर्शकों की रुचि को छोटी फॉर्मेट की ओर मोड़ दिया था, जिससे टेस्ट मैचों की लोकप्रियता में गिरावट आई। डब्ल्यूटीसी ने टेस्ट क्रिकेट को पहले से कहीं अधिक नतीजा-उन्मुख और प्रतिस्पर्धी बना दिया है। इसका प्रमाण यह है कि अब तक खेले गए तीन संस्करणों में तीन अलग विजेता रहे हैं। यह पहल टेस्ट क्रिकेट को नई ऊर्जा देने में सफल रही है, हालांकि चुनौतियां अभी भी बरकरार हैं। शीर्ष टीमों ने प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए होम एडवांटेज का इस्तेमाल अधिक आक्रामक तरीके से करना शुरू कर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि मेजबान और मेहमान टीमों के बीच अंतर कम जरूर हुआ, लेकिन सीरीज़ का संतुलन पूरी तरह बहाल नहीं हुआ- खासकर 2024 में यह अंतर और भी स्पष्ट नजर आया।

टू-टियर सिस्टम: क्यों बढ़ रही है चर्चा?

इसी परिस्थितियों में टू-टियर सिस्टम की चर्चा जोर पकड़ रही है। इसके तहत 12 टेस्ट खेलने वाली टीमों को दो डिवीजन में बांटा जा सकता है- प्रत्येक में छह टीमें। हर चक्र के अंत में एक या दो टीमों का प्रमोशन और रेलिगेशन होगा। इसका उद्देश्य है कि निचली टीमों को ऊपर आने का मौका मिले और कमजोर शीर्ष टीमों को नीचे जाने की चुनौती मिले, जिससे प्रतिस्पर्धा जिंदा रहे। यह कोई रहस्य नहीं कि टेस्ट क्रिकेट की असली धुरी इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत हैं। जब इनमें से दो टीमें आमने-सामने होती हैं, दर्शकों की रुचि अपने चरम पर पहुंच जाती है।

प्यूर्टो रिको के खिलाफ अर्जेंटीना की शानदार जीत, नेमार को पछाड़कर मेसी ने रचा इतिहास

फोर्ट लॉडरडेल, एजेंसी

अर्जेंटीना ने चेज स्टेडियम में प्यूर्टो रिको के खिलाफ 6-0 से जीत दर्ज की। मुकाबले के दौरान स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने दो गोल में असिस्ट किया। इसी के साथ लियोनेल मेसी पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए। अद्भुत कौशल और रिकॉर्ड तोड़ उपलब्धियों के लिए मशहूर मेसी ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 60 असिस्ट किए हैं। प्यूर्टो रिको के खिलाफ दो असिस्ट के साथ उन्होंने नेमार और लैंडन डोनोवन को पछाड़ दिया। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने करियर में 58-58 असिस्ट किए हैं। अब मेसी अपने पेशेवर करियर में कुल 400 असिस्ट से सिर्फ तीन ही कदम दूर हैं। प्यूर्टो रिको के विरुद्ध मुकाबले में अर्जेंटीना ने तुरंत ही गेंद पर नियंत्रण कर लिया था।

मुकाबले के 13वें मिनट मोंटील ने मेसी को क्रॉस दिया, जिन्होंने क्रॉसबार पर शॉट मारा। निकोलस गोंजालेज ने रिबाउंड पर वॉली से गेंद को गोल की ओर पहुंचाया और मैक एलिस्टर ने हेडर से गोल करके मैच का खाता खोला।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बिग बॉस 19 में मालती चाहर बनाम नेहल कपड़ों पर तंज से बिगड़ा मामला

टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19 में जहां एक तरफ कॉन्ट्रोवर्सी, ड्रामा और टकराव रोजाना देखने को मिलते हैं, वहीं इस बार घर के अंदर एक छोटी सी बात ने बड़ा तूफान ला दिया है। इस बार सूजी का हलवा ही घर के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। हलवे की लड़ाई ने बिग बॉस के घर का पूरा माहौल गर्मा दिया है, और इसके बीच वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट मालती चाहर ने विवाद को और भड़का दिया है। शुरुआत में मालती चाहर जब घर में आईं, तो लगा कि शायद माहौल में एक नया रंग आएगा। लेकिन उनके सधे हुए अंदाज ने घर में तूफान खड़ा कर दिया, जिससे घर के कई सदस्य, खासतौर पर फरहाना, नेहल और तान्या, अक्सर उनके खिलाफ नजर आते हैं। पहले भी कई बार उनका विवाद सामने आ चुका है, लेकिन इस बार जो हुआ, उससे पूरे घर में हलचल मच गई। मामला तब और बिगड़ा जब बिग बॉस ने घरवालों को एक टास्क दिया, टेडी डियर टास्क। इसमें सभी कंटेस्टेंट्स को एक बड़े टेडी बियर का खास ख्याल रखना था, ताकि वह किसी भी चीज या जमीन पर न गिरे। लेकिन मालती के हाथों ये टास्क उलझ गया। उन्होंने टेडी बियर को संभालने की जगह जमीन पर गिरा दिया, जिसके कारण बिग बॉस ने पूरे घर को कड़ी सजा दी और राशन के 11 आइटम कैंसिल कर दिए।

मालती स्वीकारी अपनी गलती

मालती ने अपनी गलती स्वीकार की और माफी भी मांगी, लेकिन माफी मांगने के बाद भी चीजें शांत नहीं हुईं। जब नेहल ने मालती की माफी पर सवाल उठाया, तो मालती भड़क गईं। विवाद तब और बढ़ गया जब मालती ने नेहल के कपड़ों पर तंज कसा और कहा, अगली बार कपड़े पहनकर बात करना मुझसे। ये बात घर के बाकी सदस्यों को बिलकुल पसंद नहीं आई। कुनिका सदानंद और बसीर अली ने इस बात को लेकर मालती को फटकार लगाई, और बसीर ने तो सीधे उनसे कहा, आप पागलखाने से आई हो...। आगे चलकर नेहल ने किचन में घोषणा की कि वे सूजी का हलवा बनाएंगी और कोई भी इसमें बाधा नहीं डालेगा।

मेट्रो बाजार

मोबाइल निर्यात में रिकॉर्ड उछाल सितंबर में 95 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। देश का मोबाइल फोन निर्यात सितंबर में सालाना आधार पर 95 फीसदी बढ़कर 1.8 अरब डॉलर के पार पहुंच गया। आईसीईए ने कहा, अगस्त एवं सितंबर महीने उत्पादन समायोजन और मौसमी आपूर्ति चक्र के कारण पारंपरिक रूप से निर्यात के लिहाज से सुस्त माने जाते हैं। लेकिन इस बार का मजबूत प्रदर्शन देश में विकसित हुए मजबूत मोबाइल फोन विनिर्माण पारिस्थितिकी को दर्शाता है। आईसीईए ने कहा, अप्रैल-सितंबर के दौरान मोबाइल फोन निर्यात 60 फीसदी से अधिक बढ़कर 13.5 अरब डॉलर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 8.5 अरब डॉलर था। यह दर्शाता है कि भारत का मोबाइल फोन निर्माण क्षेत्र निरंतर पैमाना, दक्षता एवं विश्वसनीयता के तीन स्तंभों पर टिके हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का मोबाइल फोन निर्यात करीब 35 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच सकता है। अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और ब्रिटेन को भारत में निर्मित मोबाइल फोन का प्रमुख रूप से निर्यात होता है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को करीब 9.4 अरब डॉलर का मोबाइल फोन निर्यात किया गया।यह एक साल पहले के 3.1 अरब डॉलर की तुलना में करीब 200 फीसदी की वृद्धि है।?इस दौरान कुल मोबाइल फोन निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी रही। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम में मांग से सितंबर में रत्न एवं आभूषण निर्यात 6.55 फीसदी बढ़कर 2.91?अरब डॉलर पहुंच गया।

गोल्ड ने तोड़े सारे रिकॉर्ड: भारत में पहली बार 127500 रुपये पर पहुंचा सोने का भाव

नई दिल्ली। अमेरिकी फेड की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के कारण बुधवार को सोने में तेजी देखने को मिली। घरेलू वायदा कारोबार में सोने का भाव 1,244 रुपये की तेजी के साथ 1,27,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं सुरक्षित निवेश की मजबूत मांग के कारण वैश्विक बाजारों में सोने का भाव 4,200 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गया।

विश्लेषकों ने कहा कि भू-राजनीतिक और व्यापारिक चिंताओं के कारण वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने के बाद व्यापारी सुरक्षित निवेश वाली परिसंपत्तियों की ओर आकर्षित हुए। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की टिप्पणियों से यह धारणा और मजबूत हुई। इसमें उन्होंने इस वर्ष के अंत में संभावित मौद्रिक ढील का संकेत दिया।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव में लगातार चौथे सत्र में तेजी रही और यह 1,244 रुपये यानी 0.98 प्रतिशत चढ़कर 1,27,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी प्रकार, बहुमूल्य धातु का फरवरी 2026 अनुबंध 943 रुपये या 0.73 प्रतिशत बढ़कर 1,28,435 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। विदेशी बाजार में, दिसंबर डिलीवरी के लिए कॉमेक्स सोना वायदा बुधवार को लगभग 2 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,211 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इस बार दीपावली का त्योहार अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी। उनके लिए दीपावली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक लंबे जश्न की शुरुआत है जो नए साल तक चलता है। पारुल ने कहा, दीपावली के दिन मेरी योजना अपने परिवार के साथ घर पर रहने की है। लेकिन उससे पहले, हां, मैं कुछ दोस्तों की दीपावली पार्टियों में जा रही हूं। इन पार्टियों में ढेर सारी मिठाइयां खाने का इंतजार कर रही हूं।

दीपावली पर मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डूबना चाहती हूं : पारुल गुलाटी

पारुल का मानना है कि दीपावली से लेकर नए साल तक का समय खुशियों और स्वादों से भरा होता है, जिसमें खुद को रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे लगता है कि जब मुंह में मिठाई चली जाती है, तो एक ही काफी नहीं होती। इसके बाद आपको खाते ही रहना पड़ता है। इस पूरे फेस्टिव सीजन में मेरा कोई फिटनेस प्लान नहीं है। इस समय मैं खुद को मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डुबो देना चाहती हूं और यही मेरा प्लान है। पारुल ने आईएएनएस से साझा किया कि हर साल दीपावली के बाद वह अपनी नानी के घर जाती हैं और वहां एक हफ्ते तक परिवार के साथ समय बिताती हैं। यह उनके लिए एक खास परंपरा की तरह है, जिससे वह हर साल जुड़ी रहती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब तक ये त्योहार खत्म नहीं हो जाते, तब तक फिटनेस के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता।

कैट आइलैंड: चीन का अनोखा आकर्षण

चीन के हुआइआन स्थित बैमा झील के बीचोंबीच एक द्वीप पर विशाल बिल्ली की मूर्ति हर आगंतुक का ध्यान खींच लेती है। यह जगह 'कैट आइलैंड' के नाम से प्रसिद्ध है, जहां 150 से अधिक बिल्लियां रहती हैं। यह चीन का पहला ऐसा थीम पार्क है जो निराश्रित बिल्लियों की देखभाल को समर्पित है। यहां न सिर्फ बिल्लियों को आश्रय और भोजन दिया जाता है, बल्कि पर्यटकों को पशु-कल्याण के प्रति जागरूक भी किया जाता है। झील के शांत वातावरण में यह द्वीप अब प्रेम और करुणा का प्रतीक बन चुका है, जहां इंसान और पशु के सह-अस्तित्व की सुंदर मिसाल देखने को मिलती है।

डर से वाहन छोड़कर भागे लोग

सड़क पर अचानक आए जंगली हाथी से हाईवे जाम, मची अफरा-तफरी

शहडोल, एजेंसी

शहडोल में इन दिनों जंगली हाथियों का आतंक है। अभी तक तो किसान जंगल, खेत में हाथियों के उत्पात से परेशान थे, अब तो हाथी हाईवे जाम करने लगे। ब्यौहारी में अचानक एक हाथी, दल से भटककर हाईवे पर आ गया। उसे देखते ही वाहनों के ब्रेक जाम हो गए। हाथी वाहनों की तरफ मुड़ा तो लोग डरकर गाड़ी छोड़कर भाग खड़े हुए।

जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र में इन दिनों हाथियों के एक समूह ने आतंक मचाया हुआ है। इसकी वजह से ग्रामीण काफी परेशान है। समूह से एक हाथी शहडोल रीवा रोड पर देवझड़ समधिन नदी के पास आ गया। रात का वक्त होने के कारण सड़क पर अफरातफरी मच गई। अफरा-तफरी मच गई जब हाथियों का एक समूह अचानक शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग पर आ गया। जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सड़क पर गाड़ियां ठहर गईं। डरे हुए लोग स्थिति को संभालने का प्रयास करते रहे, वहीं कई बाइक सवार और कार चालक अपने वाहन वहीं छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भाग खड़े हुए। बीच सड़क में हाथी के मूवमेंट के इस पल को एक कार चालक ने अपने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा

जयपुर से डॉ. अंबेडकर नगर के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

इंदौर, दोहपर मेट्रो

त्योहारों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए डॉ. अंबेडकर नगर और जयपुर के बीच विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन सीमित अवधि के लिए दोनों दिशाओं में कुल तीन-तीन फेरों में चलाई जाएगी। रेल प्रशासन के अनुसार, जयपुर-डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल (गाड़ी संख्या 09727) और डॉ. अंबेडकर नगर-जयपुर स्पेशल (गाड़ी संख्या 09728) अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े से संचालित होंगी। गाड़ी संख्या 09727 जयपुर-डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल ट्रेन जयपुर से 17, 24 और 31 अक्टूबर 2025 को प्रत्येक शुक्रवार दोपहर 1 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन शनिवार तड़के 1 बजकर 30 मिनट पर डॉ. अंबेडकर नगर पहुंचेगी। रतलाम मंडल में इसका ठहराव चित्तौड़गढ़, नीमच, मंदसौर, रतलाम और इंदौर स्टेशनों पर निर्धारित किया गया है। वहीं, वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 09728 डॉ. अंबेडकर नगर-जयपुर स्पेशल 18 अक्टूबर, 25 अक्टूबर और 1 नवंबर 2025 को प्रत्येक शनिवार सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर डॉ. अंबेडकर नगर से रवाना होगी और उसी दिन शाम 6 बजकर 10 मिनट पर जयपुर पहुंचेगी। इस दिशा में भी ट्रेन का ठहराव इंदौर, रतलाम, मंदसौर, नीमच और चित्तौड़गढ़ सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा।

भाई को उलझाने वाले तेजस्वी के लिए आसान नहीं होगा अपना मुकाबला

जिसने राबड़ी को हराया, अब तेजस्वी के सामने तेज प्रताप की साली भी परसा से होंगी मैदान में

बिहार के चनावी संग्राम में कुछ सीटों पर सभी की नजरें लगी रहेंगी। अपने भाई तेज प्रताप को उलझाने के लिए तेजस्वी यादव ने जहाँ भाई की साली को मैदान में उतरा है, वहीं उनका खुद का मुकाबला ऐसे धाकड़ उम्मीदवार से होगा जो उनकी मां राबड़ी देवी को हरा चुका है

पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा के पहले चरण के मतदान के लिए शुक्रवार को नामांकन की आखिरी तारीख है। इस बीच चुनावी मंच पूरी तरह सज चुका है। इस बीच राजद नेता तेजस्वी यादव ने अपने परिवार की पारंपरिक सीट राघोपुर से नामांकन दाखिल कर दिया। 2010 के विधानसभा चुनाव में यहां से जेडीयू के प्रत्याशी सतीश कुमार यादव विजयी हुए थे। उन्होंने करीब 13 हजार वोटों से राबड़ी देवी को मात दे दी। फिर 2015 से यहां से तेजस्वी यादव चुनावी मैदान में उतरने लगे। 2015 के विधानसभा चुनाव में बदली हुई राजनीतिक परिस्थिति में राजद और जेडीयू साथ आ गई। फिर लंबे समय से जेडीयू के प्रत्याशी रहे सतीश कुमार यादव भाजपा में चले गए। तब से वह भाजपा के टिकट पर ही इस सीट से चुनाव लड़ते आ रहे हैं। 2015 में वह तेजस्वी यादव से करीब 22 हजार वोटों से हार गए। वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा-जेडीयू और लोजपा-आर का मजबूत गठबंधन है। ऐसे में सतीश कुमार यादव को भाजपा ने एक बार फिर मैदान में उतारा है। सतीश कुमार यादव इस लड़ाई को दिलचस्प बनाने की क्षमता रखते हैं। ऐसे में अब देखना है कि सतीश कुमार इस बार क्या गुल खिलाते हैं।

भाई की साली करिश्मा को उतारा

तेजस्वी यादव ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। तेज प्रताप यादव की चचेरी साली करिश्मा राय को टिकट देकर परसा विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। बता दें, करिश्मा राय वरिष्ठ नेता चंद्रिका राय की भतीजी हैं। राय लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के ससुर हैं। सूत्रों के अनुसार, करिश्मा राय पिछले विधानसभा चुनाव में भी RJD से टिकट लेने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन तब उन्हें टिकट नहीं मिल पाया था। माना जा रहा था कि तेज प्रताप और उनकी पत्नी ऐश्वर्या के बीच चल रहे केस की वजह से लालू परिवार ने करिश्मा को टिकट नहीं दिया था। तब परिवार तेज प्रताप के साथ था।

तेज प्रताप बाहर तो बदले समीकरण: हालांकि पांच साल के बाद समीकरण पूरी तरह से बदल चुके हैं। तेज प्रताप पार्टी और परिवार से बाहर हैं। वो इस बार के विधानसभा चुनाव में खुद अपनी पार्टी बनाकर लड़ रहे हैं। तेज प्रताप यादव आज महुआ सीट से अपना नामांकन दाखिल करने वाले हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से नामांकन के दौरान आने का न्योता दिया है।

पीके के गंभीर आरोपों का जवाब दें सम्राट चौधरी- जायसवाल, नहीं तो छोड़ दें पार्टी : आरके सिंह

जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर के लगातार हमलों के बाद ठीक चुनाव के वक्त बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने अब खुलकर कहा है कि पार्टी के नेताओं को इन आरोपों पर चुप्पी नहीं साधनी चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि दिलीप जायसवाल पर लगे आरोपों का जवाब दिया जाना चाहिए और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अपनी शैक्षणिक डिग्रियां सार्वजनिक करनी चाहिए। आरके सिंह ने कहा कि पीके ने दिलीप जायसवाल पर हत्या में संलिप्तता और एक मेडिकल कॉलेज पर कब्जे का आरोप लगाया है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर आरोप बेबुनियाद हैं तो जायसवाल कोर्ट का दरवाज़ा क्यों नहीं खटखटाते और अगर इनके पास सफाई है तो जनता के सामने आकर क्यों नहीं रखते?

मैथिली को अब्दुल के गढ़ से मौका, दिलचस्प हुआ मुकाबला

दरभंगा, एजेंसी। बिहार चुनाव में बीजेपी की दूसरी लिस्ट में लोक गायिका मैथिली ठाकुर का नाम है। कुछ दिन पहले ही बीजेपी में शामिल हुई मैथिली ठाकुर को दरभंगा जिले की अलीनगर सीट से बीजेपी ने प्रत्याशी बनाया है। यहां खासी मुस्लिम आबादी है। दरभंगा जिले की अलीनगर विधानसभा सीट 2008 के परिसीमन के बाद बनी है। पहले यह मनीगाछी विधानसभा का हिस्सा था। यहां अभी तक केवल तीन बार चुनाव हुए हैं। 2025 के चुनाव में यह चौथा मौका होगा जब अलीनगर के लोग अपना विधायक चुनेंगे। इस विधानसभा सीट पर अब तक 2010, 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव हुए हैं। इन तीन चुनावों में दो बार आरजेडी के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने आरजेडी के टिकट पर जीत दर्ज की है। हालांकि उसके बाद से सिद्दीकी बिहार विधान परिषद के सदस्य बन गए और चुनावी राजनीति से दूर हो गए हैं। इलाके के लोग बताते हैं कि अलीनगर विधानसभा सीट सामान्य कोटे की है। इसके बावजूद सिद्दीकी यहां से लगातार दो बार चुनाव जीते।

शराब पीने पर डांटने से मां को उतारा मौत के घाट

जबलपुर, एजेंसी। एक तरफ जहां देशभर में रोशनी के त्योहार दिवाली मनाने की तैयारी चल रही है। इसी बीच जबलपुर शहर से ऐसी दिल दहलाने वाली घटना सामने आई जिसने इस उल्लास को सन्नाटे में बदल दिया। शराब के नशे में कलयुगी बेटे ने अपनी 60 वर्षीय मां की पीट पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसे कस्टडी में लिया है। शराब पीने के कारण युवक को दो पत्नियां पूर्व में उसे छोड़कर चली गयी थी। दरअसल, पूरा घटनाक्रम सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम रोंसरी का है। यहां के थाना प्रभारी विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि कुसुम बाई चौधरी (60) घर में मृत मिली थी। महिला के माथे में चोट के निशान थे। महिला की नाक और माथे से खून निकल रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर प्रकरण को विवेचना में लिया था। जांच के दौरान पुलिस ने हत्या का खुलासा किया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपी का बेटा रामकुमार चौधरी (33) शराब पीने का आदी है। शराब पीकर गाली-गलौज करने की आदत के चलते ही पहली पत्नी सीमा चौधरी उसे चार-पांच साल पहले छोड़कर चली गयी थी।

गुजरात में मंत्रिमंडल फेरबदल

कई मंत्री बाहर होंगे, आ सकता है डिप्टी सीएम का नया फार्मूला

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात में दिवाली पर नए साल की शुरुआत से पहले मंत्रिमंडल में नए मंत्रियों की एंट्री होगी। भूपेंद्र पटेल सरकार के 16 में करीब 9 से 10 मंत्रियों की छुट्टी के साथ करीब 14 विधायक शुकवार को गांधीनगर में पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल आज जहां मुंबई के दौरे पर हैं तो वहीं राज्यपाल आचार्य देवव्रत हरियाणा से लौटकर गुजरात पहुंच रहे हैं। भूपेंद्र पटेल मंत्रिमंडल का फेरबदल गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में होगा। शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11:30 बजे रखा गया है। इस सब के बीच चर्चा है कि बीजेपी एक बार फिर डिप्टी सीएम के फॉर्मूले पर लौट सकती है। गुजरात में अभी तक पांच डिप्टी सीएम हुए हुए हैं। इनमें तीन कांग्रेस की सत्ता में रहते हुए डिप्टी सीएम बने जब बीजेपी के सरकारों में दो डिप्टी सीएम हुए। इनमें केशुभाई पटेल ही एकमात्र नेता ऐसे हैं जो डिप्टी से सीएम भी बने।

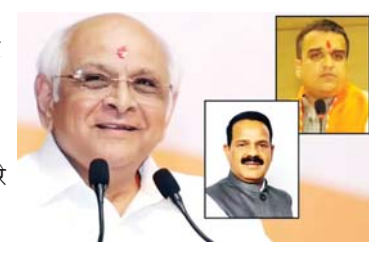

हर्ष संघवी हो सकते हैं उपमुख्यमंत्री

भूपेंद्र पटेल मंत्रिमंडल में फेरबदल के बीच हर्ष संघवी का नाम डिप्टी सीएम के तौर लिया जा रहा है। ऐसे में जब बीजेपी युवा सरवा देने की तरफ बढ़ रही है तब हर्ष संघवी को एक अच्छे विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। सूरत की माजूरा सीट पर जीत की हैट्रिक जामने वाले हर्ष संघवी अभी परिवहन, खेल और गृह राज्य मंत्री का दायित्व संभाल रहे हैं। संघवी ने एक सक्रिय मंत्री की छवि बनाई है। संघवी अभी 40 वर्ष के हैं। तो वहीं दूसरी भूपेंद्र पटेल की उम्र 63 साल है। सूत्रों के अनुसार मंत्रिमंडल फेरबदल में हर्ष संघवी का प्रमोशन तय है। चर्चा है कि अगर हर्ष संघवी डिप्टी सीएम बनते हैं तो अहमदाबाद के वेजलपुर से विधायक अमित ठाकर और मौजूदा विधानसभा स्पीकर शंकर चौधरी में से किसी को गृह राज्य मंत्री का दायित्व मिल सकता है।

मेट्रो एंकर | सैन्य अधिकारियों के खिलाफ सिविल ट्रिब्यूनल में चल रहे केस

खालिदा जिया ने यूनुस को चेताया, सेना से रिश्ते मत बिगाड़ो

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को सेना के साथ तनाव से बचने की सलाह दी है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर से सैन्य अधिकारियों के खिलाफ सिविल ट्रिब्यूनल में चल रहे मुकदमे पर ये टिप्पणी की गई है। ये नए मुकदमे अंतरिम सरकार और सेना के बीच तनाव की वजह बनते दिख रहे हैं। बीएनपी का कहना है कि यूनुस सरकार को सशस्त्र बलों के साथ अच्छे संबंध सुनिश्चित करना जरूरी है।

मोहम्मद यूनुस की ढाका में बुलाई गई राजनीतिक दलों की बैठक में बीएनपी की ओर से ये बात कही गई है। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने बैठक में यूनुस से कहा, %हमारी पार्टी चाहती है कि आप सशस्त्र बलों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें। देश को फिलहाल संतुलित स्थिति में रहना चाहिए। हम अस्थिरता का कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते क्योंकि देश फिलहाल इसके लिए तैयार नहीं है।%

देश में स्थिरता जरूरी: BNP

बीएनपी ने अगले साल फरवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले स्थिरता पर जोर दिया है। बीएनपी ने चेतावनी दी है कि आगामी चुनाव से पहले अस्थिरता के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे में सेना के साथ सरकार की तनातनी ठीक नहीं है। ढाका में यह बैठक जुलाई चार्टर पर राजनीतिक गुटों के बीच मतभेदों पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। इसी दौरान सैन्य अफसरों पर मुकदमे के कारण बनी स्थिति का मुद्दा उठा। बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने बीते हफ्ते पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 16 सेवारत सैन्य अधिकारियों और 14 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए है। इन सैन्य अफसरों पर पर पिछली सरकार के दौरान राजनीतिक विरेधियों के अपहरण करने और उनको प्रताड़ित करने का आरोप है। इस कार्रवाई पर सेना के एक धड़े के नाखुश होने की बात सामने आई है। आईसीटी-बीडी के गिरफ्तारी वारंट जारी करने के बाद 16 में से 15 अधिकारियों को सैन्य हिरासत में ले लिया गया है। एक मेजर जनरल फिलहाल फरार बताया गया है। सरकार ने ढाका छावनी के अंदर एक इमारत को अस्थायी जेल घोषित किया है। इस पूरे घटनाक्रम पर कई तरह की बातें हैं।

सेना ने फिलहाल वारंट की कॉपी ना मिलने की बात कही है। ऐसे में यह साफ नहीं है कि इन अफसरों पर नागरिक अदालत में मुकदमा चलेगा या फिर ये कोर्ट मार्शल का सामना करेंगे। अपने अफसरों के खिलाफ वारंट के बाद सेना के बीच से नाराजगी की बात सामने आ रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564